रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 120] नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 26, 2016/वैशाख 6, 1938
No. 120] NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 26, 2016/VAISAKHA 6, 1938

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

(विकलांगजन सशक्तिकरण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 2016

विषय : ऑटिज्म के मूल्याकंन और आकलन हेतु दिशा–निर्देश और प्रमाणन हेतु प्रक्रिया।

फा. सं. 16–21/2013–डीडी–III.–ऑटिज्म को विकलांगजन अधिनियम (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और संपूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 के साथ पठित राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999 की धारा 2 के अंतर्गत विकलांगताओं में से एक विकलांगता माना गया है। ऑटिज्म, प्रमस्तिष्क अंगघात, मानसिक मंदता से ग्रस्त व्यक्तियों के कल्याण हेतु राष्ट्रीय न्यास और बहुविकलांगता अधिनियम, 1999 के अंतर्गत विकलांग व्यक्तियों की इस श्रेणी के कल्याण हेतु राष्ट्रीय न्यास का गठन किये जाने का प्रावधान है। इस प्रकार से मंत्रालय द्वारा 01–06–2011 को अधिसूचित विभिन्न विकलांगताओं के मूल्याकंन हेतु दिशा–निर्देश और प्रमाणन हेतु प्रक्रिया के अंतर्गत केवल विकलांगजन अधिनियम में पहचानी विकलांगताओं की श्रेणियां कवर होती हैं। तथा ऑटिज्म का प्रमाणन कवर नहीं होता है। राज्य सरकारें इस उपयुक्त आधार पर ऑटिज्म से ग्रस्त व्यक्तियों को विकलांगता प्रमाण पत्र प्रदान नहीं कर रही हैं।

2. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के दिनांक 09 जुलाई, 2014 के का.ज्ञा. (फा.सं. जैड–28020/106/2014–सीएच–आरबीएसके) के अनुसार ऑटिज्म के मूल्याकंन और आकलन हेतु दिशा–निर्देश तथा प्रमाणन की प्रक्रिया के तैयार करने के लिए और विकलांगजन (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और संपूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 के मद्देनजर उचित संशोधनों/परिवर्तनों की संस्तुति करने हेतु, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के परामर्श से विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करने के उद्देश्य से ऑटिज्म के आकलन हेतु दिशा–निर्देश तैयार किये हैं।

3. **परिभाषा** : ऑटिज्म स्पैक्ट्रम अव्यवस्था एक आजीवन तंत्रिका विज्ञानीय प्रतिबंधित अभिलक्षण है जिसका आभास जीवन के प्रथम पूर्व तीन वर्षों में सामाजिक कौशल और संप्रेषण के क्षेत्रों में बाधिता होने; प्राय; संवेदनशील तत्वों के प्रति हाइपर–अथवा–हाइपो होने; पारंपरिक कार्यों के प्रति असामान्य रूचि अथवा व्यवहार करने और बौद्धिक बाधिता से ग्रस्त होने और न होने में परिलक्षित होता है।

4. आटिज्म से ग्रसित व्यक्तियों की पहचान हेतु INCLEN टूल्स का इस्तेमाल किया जायेगा। ऑटिज्म से ग्रस्त व्यक्तियों की पहचान हेतु INCLEN टूल्स **अनुबंध–क** पर दिये गये हैं।

5. ऑटिज्म के आकलन हेतु भारतीय पैमाना तैयार किया गया है जो विस्तृत आकलन प्रक्रिया और 06 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों की विकलांगता की मात्रा का आकलन करने हेतु टूल्स मुहैया कराता है। ऑटिज्म के आकलन हेतु भारतीय पैमाना **अनुबंध–ख** पर दिया गया है। ऑटिज्म से ग्रस्त व्यक्तियों का प्रमाणन केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा विधिवत रूप से गठित ऑटिज्म प्रमाणन मेडिकल बोर्ड द्वारा किया जायेगा जिसमें निम्नलिखित क्षेत्रों से सदस्य शामिल होंगे :

1. नैदानिक मनोवैज्ञानिक / पुनर्वासमनोवैज्ञानिक
2. एक मनोचिकित्सक
3. एक बालचिकित्सक अथवा सामान्य चिकित्सक; जैसा भी मामला हो

अतः राज्य सरकारों से अनुरोध है कि वे तत्काल ऑटिज्म प्रमाणन मेडिकल बोर्ड का गठन करें।

6. INCLEN टूल्स के मद्देनजर ऑटिज्म से ग्रस्त व्यक्तियों की पहचान के आधार पर आईएसएए के आधार पर ऑटिज्म का प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। ऑटिज्म से ग्रस्त व्यक्तियों को विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किये जाने का प्रपत्र **अनुबंध–ग** पर दिया गया है। विकलांगता से ग्रस्त उन व्यक्तियों का प्रमाण पत्र जिनकी विकलांगता अस्थाई है और 18 वर्ष से कम आयु के हैं, के प्रमाण पत्र 5 वर्ष की अवधि के लिये वैध होगा। उन व्यक्तियों के प्रमाण पत्र में जो स्थायी विकलांगता से ग्रस्त हैं, स्थायी विकलांगता दर्शायी जा सकेगी।

7. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय परिभाषा / श्रेणीकरण / मूल्यांकन परीक्षण आदि के संबंध में उठने वाले किसी विवाद / संदेह की व्याख्या करने के संबंध में अंतिम प्राधिकार होगा।

दिशा–निर्देशों के साथ संलग्न किये गये अनुबंधों के विवरण निम्न प्रकार से हैं :

IndiaCode

अनुबंधों की सूची

अनुबंध –क	INCLEN diagnostic tools (नैदानिक टूल्स)
अनुबंध –ख	ऑटिज्म के आकलन का भारतीय पैमाना
अनुबंध –ग	ऑटिज्म से ग्रस्त व्यक्तियों को विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रपत्र

अवनीश कुमार अवस्थी, संयुक्त सचिव

अनुबंध–क

एएसडी टूल

यूनिक आईडी

भारत में बच्चों में तंत्रिकाविकासात्मक विकलांगतायें : एक INCLEN अध्ययन

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसआर्डर हेतु INCLEN नैदानिक टूल

(आईएनडीटी–एएसडी)

राज्य	
जिला	
तहसील	
गांव (कलस्टर)	

साक्षात्कार की तारीख	दिन	दिन	–	मास	मास	–	वर्ष	वर्ष

शुरू होने का समय	पूर्वाह्न/ अपराह्न	घंटे		मिनट
समाप्त होने का समय	पूर्वाह्न/ अपराह्न	घंटे		मिनट

बच्चे की व्यक्तिगत सूचना

बच्चे का नाम.....

जन्म तिथि : दिन दिन/मास मास/वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष आयु: .....वर्ष.....मास

लिंग (लड़का–1; लड़की–2):

पूरा पता: .....

टेलीफोन संख्या.....

आकलन की तारीख: .....दिन दिन/ मास मास .....वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष .....

आकलनकर्ता का नाम.....

IndiaCode

मूल्याकंन हेतु अनुदेश

- बच्चे के साथ प्राथमिक देखरेख कर्ता उपस्थित होना चाहिए।
- बच्चों के इन व्यवहारों का आकलन उसी आयु के बच्चों की तुलना में किया जाना चाहिए।
- माता–पिता को बतायें कि बच्चे के बारे में उत्तर उसके आमतौर पर किये जाने वाले व्यवहार पर ही आधारित होने चाहिएं।
- प्रश्न के साथ आयु संबंधित दिए गये निदेशों का अनुसरण करें। उस दशा में जहां आयु संबंधी कोई कटऑफ न दिया गया हो वहां सभी बच्चों से (2–9 वर्ष की आयु के) प्रश्न पूछे जाने चाहिएं।
- प्रश्न मौखिक रूप में पूछे जाने चाहिएं। यदि उत्तरदाता प्रश्न को न समझे तो प्रश्न को दोहराया जाना चाहिएं।यदि उत्तरदाता फिर भी न समझे तो विशिष्ट व्यवहार के लिए उदाहरण दिये जाने चाहिएं, आगे किसी विस्तारण की अनुमति नहीं है।
- समग्र आकलन के दौरान बच्चे में सुझावात्मक व्यवहार के लिए प्रश्नावली की टिप्पणियों के साथ अनुपूर्ति की जानी चाहिएं।
- विशेष व्यवहार की उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए समस्त साक्षात्कार के दौरान बच्चे के व्यवहार का अवलोकन करें (पहले पूछें फिर अवलोकन करें यदि अवलोकन भिन्न हो तो पुनः प्रश्न पूछें और अवलोकन की पुनः जांच करें)।
- जहां माता–पिता के उत्तर और आपके अवलोकन में भिन्नता हों वहां यह उल्लेख किया जाना चाहिएं कि माता–पिता की रिपोर्ट अथवा अवलोकन को वरीयता दी जायेगी और तद्नुसार अंक दिये जाने चाहिएं।
- जब माता–पिता का उत्तर ''सुनिश्चित'' नहीं हो उस विशेष व्यवहार के लिए विशेष महत्व आपके आकलन को दिया जाएगा चाहे माता–पिता के उत्तर पर तारक (*) हो। यदि आप भी व्यवहार का आकलन करने में असफल हों, तब आप प्रत्युत्तर केवल 'अनिश्चित' अंकित करें।
- कुछ मापदंडों के बहुप्रश्न होते हैं। अंक जोडने के दौरान प्रश्नों में से किसी प्रश्न के असामान्य होने पर मापदंड पूरा हुआ होना माना जाएगा। उदाहरण के तौर पर यदि बच्चे के व्यवहार में i, ii, iii, अथवा iv,में से कोई एक असामान्य हो तो मापदंडक–1क को पूर्ण हुआ माना जाएगा।

खंड–क

	पूछें यदि प्रत्युत्तर उत्तर के आधार पर हो तो बाक्स में (✓) का चिन्ह लगायें)	अवलोकन यदि प्रत्युत्तर अवलोकन के आधार पर हो तो बाक्स में (✓) का चिन्ह लगाये)	उपयुक्त प्रत्युत्तर पर घेरा लगायें		
क1क	i) *4 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए: क्या आपका बच्चा अक्सर आपकी गोदी में आने और आपके गले लगना चाहता है? 4 वर्ष अथवा उसके अधिक आयु के बच्चों के लिए: जब आपका बच्चा छोटा था तब उसे आपकी गोदी में आना और आपसे गले लगना अच्छा लगता था? ☐	4 वर्ष से कम आयु के बच्चो में: माता–पिता द्वारा छुए जाने पर और दुलारे जाने पर: आनन्द लेता है/सहता है/गुस्सा होता है/चिड़चिड़ाता है/नाराज हो जाता है/उदासीन हो जाता है। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	ii) क्या आपका बच्चा अक्सर आपके या अन्य लोगों के साथ नजर मिलाता है? जैसे–खेलते समय, चीजों के बारे में पूछते समय और आपसे बातचीत करते समय। ☐	*नजरों से सम्पर्क करने की गुणवत्ता। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	iii) *क्या आपका बच्चा किसी से मिलने के दौरान या जाते समय अक्सर उचित संकेतों का इस्तेमाल करता है? जैसे–नमस्कार, सलाम, बाय–बाय, हैलो करना, पैर छूना आदि (कभी कभी स्वेच्छा से) । (अपेक्षित अनुसार उचित उदाहरण इस्तेमाल करे) ☐	आप द्वारा अभिवादन करने अथवा विदा लेने के प्रत्युत्तर में इन भाव मुद्राओं का प्रयोग। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	जैसे : यदि आवश्यक हो तो बिना वजह किसी अनजान व्यक्ति को बार–बार नमस्कार करने आदि जैसी अनुपयुक्त भाव–भंगिमाओं का उल्लेख करें।				
	iv)क्या आपका बच्चा परिस्थितियों के अनुसार अपने अलग–अलग तरह के भाव प्रकट करता है? जैसे– प्रसन्न होने, उदास होने, डर प्रकट करने, इत्यादि। ☐	माता–पिता के साथ, अजनबियों के साथ, आपके साथ खेलते समय, अपना मन पसंद खिलौना दिये जाने पर/ मन पसंद खाना दिये जाने पर या डांटे जाने पर अपने चेहरे पर अभिव्यक्ति की उपयुक्तता। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
क1ख	i) *क्या आपके बच्चे को अक्सर दूसरे बच्चो का साथ अच्छा लगता है? ☐	बच्चे का दूसरे बच्चो के साथ व्यवहार। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	ii) *4 वर्ष के अथवा इससे अधिक आयु के बच्चों के लिए: क्या आपके बच्चे के (स्कूल अथवा पड़ोस में) उसकी आयु के मित्र/सहेलियाँ हैं जिनके साथ वह उनसे बाते करना, खाना खाना या खेलना पसंद करता है/करती है? ☐	बच्चे का उसी आयु के दूसरे बच्चे के साथ व्यवहार। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं

	iii) *4 वर्ष के अथवा इससे अधिक आयु के बच्चों के लिए: क्या आपका बच्चा अधिकतर अपनी आयु से बहुत बड़े या बहुत छोटे बच्चों के साथ खेलता है? ☐	बच्चे का दूसरे बच्चों के साथ व्यवहार की गुणवत्ता। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं
क1ग	i) *4 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए: क्याआपके बच्चे ने आपका ध्यान उंगली से अपनी पसंद की चीजों की तरफ आकर्षित किया है/करता है? जैसे–आकाश में उड़ती हुई पंतग, हवाई–जहाज या सड़क पर गाय, कुत्ता, आदि। 4 वर्ष की अथवा इससे अधिक आयु के बच्चों के लिए: क्या आपका बच्चा अक्सर अपनी पेंट की गई चीजों को, चित्रों को या नए खिलौने/उपहार को अपने आप लाकर आपको दिखाता है? ☐	अवलोकन करें कि बच्चा किस प्रकार एक खिलौने/अपनी रूचि की चीजों के बारे में ध्यान देता है; समन्वित बिन्दु के नजरिये से देखें। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	ii) *4 वर्ष की अथवा इससे अधिक आयु के बच्चों के लिए: क्या आपका बच्चा अपनी पसंद की चीजों के बारे में या उनकी चीजों के बारे में आपसे बिना पूछे बनाई है आपसे बात करता है? ☐	☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं
क1घ	i) *क्या आपका बच्चा अक्सर अकेला खेलना पसंद करता है और उनका भाई अथवा अन्य बच्चे अगर उसके साथ खेलने की कौशिश करते हैं तो वह चिढ जाता है या दूर चला जाता है? ☐	बच्चे की समूह में या अपने भाई बहनों के साथ खेलने की गुणवत्ता। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	ii) *क्या आपका बच्चा अन्य बच्चों के साथ बारी–बारी खेल ठीक ढंग से खेलता है और नियमों का पालन करता है? जैसे–क्रिकेट, छुपन–छुपाई, स्टापू, पकड़न–पकडाई, लूडो, गुल्ली–डण्डा, कंचे, पिट्ठू, गेंद आदि। ☐	बच्चे की नियमों पर आधारित खेलों या पारी आधारित खेलों में भाग लेने की गुणवत्ता। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	iii) *क्याआपका बच्चाआपकी खुशी को बांटता है या पीड़ित होने पर और उदास होने पर आपके पास दिलासा देने के लिए आता है? ☐	माता–पिता के साथ खुशी तथा उदासी बांटना। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	iv) *4 वर्ष अथवा अधिक आयु के बच्चों के लिए: क्या आपका बच्चा अपनी खुशी को अक्सर आपके साथ बांटता है या पीड़ित होने पर और उदास होने पर आपके पास दिलासा पाने के लिए आता है? ☐	बच्चे द्वारा माता–पिता की खुशी तथा तकलीफें बांटना। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं

IndiaCode

क2क	*क्या आपका बच्चा अपनी आयु के बच्चों के साथ सामान्य ढंग से बोलता है? यदि बच्चा सामान्य तौर पर नहीं बोलता है तो क्या वह आपसे इशारों में अपनी बात संसूचित कर सकता है? जैसे–अंगुली द्वारा, हाँ या नहीं के लिए सिर हिलाना। यदि बच्चा कुल–मिलाकर बोल नहीं सकता और उचित इशारों से अपनी बात संसूचित नहीं कर सकता हो तो केवल ''नहीं'' अंक दे। यदि बच्चा बोल नहीं सकता परन्तु उपयुक्त इशारों से संसूचित करता है। तो ''हाँ'' अंक दे। ☐	आयु के अनुसार उचित भाषा का प्रयोग– जैसे (शब्द तथा मुहावरे); संसूचन के लिए स्वाभाविक भावमुद्रा का इस्तेमाल; *इशारा करने की गुणवत्ता/परिपक्वता; (परिपक्व अथवा अपरिपक्व इशारेबाजी और ''हाथ पर हाथ रख कर'' संकेतन)। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	यदि बच्चा 2–3 शब्द वाक्य स्तर पर बोल रहा हो तो क2ख पूछें। यदि बच्चा बहुत कम शब्द स्तर पर बोल रहा हो तो केवल क2ग पूछे।				
क2ख	i) *क्या आपका बच्चा आपसे अपने आप बातचीत शुरू कर देता है? ☐	माता–पिता के साथ या स्वयं के साथ बच्चे की बातचीत की गुणवत्ता ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं
	ii) *4 वर्ष अथवा इससे अधिक आयु के बच्चों के लिए: क्या आपका बच्चा बातचीत के दौरान न केवल आपके प्रश्नों का उत्तर देता है बल्कि बात जारी रखने के लिए अपनी तरफ से बात में आगे कुछ और भी जोड़ता है। ☐	माता–पिता के साथ या खुद के साथ बच्चों की बातचीत की गुणवत्ता। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं
क2ग	i) क्या आपका बच्चा अक्सर बेमतलब के शब्दों या वाक्यों को बारबार दोहराता है? जैसे–आप जब ''टाफी'' कहे तो ''टाफी'' कहेगा जब आप ''जाना'' कहे तो ''जाना'' कहेगा या फिर जब आप कहते हैं ''आपका क्या नाम है'' तो वह ''आपका क्या नाम है' कहेगा। ☐	तत्काल शब्दानुकरण (शब्दों अथवा मुहावरों में)। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं
	ii) क्या आपका बच्चा चीजों, टी.वी. सीरियल या नाटक के डायलोगों/संवादों को या सुनी सुनाई बातों को बाद में बेमतलब, दोहराता रहता है? ☐	शब्दानुकरण में देरी। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं
	iii) 4 वर्ष या इससे अधिक आयु के बच्चों के लिए: गलती से अक्सर 'मुझ के लिए मैं' और तुम के लिए मुझे का प्रयोग करता है (अपने आप को संदर्भित करते हुए)। जैसे– जब आप पूछते हैं ''क्या तुम्हें दूध चाहिएं ?, वह जवाब देगा'' हाँ तुम्हें दूध चाहिएं या रोहित को दूध चाहिएं (स्वयं को संबोधित करते हुए)। ☐	सर्वनाम विपरीतीकरण। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं

Indiacode

	iv) 4 वर्ष अथवा अधिक आयु के बच्चों के लिए: क्या आपका बच्चा अक्सर बातचीत के दौरान बिना संदर्भित और बेमतलब की बात शुरू कर देता है। ☐	विषय से बाहर जाकर और नई बात करना। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं
	v) 6 वर्ष की अथवा इससे अधिक आयु के बच्चों के लिए: क्या आपका बच्चा उसका मजाक उडाये जाने को समझता है अथवा वह चुटकले समझता है। ☐	आयु के अनुसार चुटकलों पर बच्चों की प्रतिक्रिया। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं अथवा लागू नहीं
क2घ	क्या आपका बच्चा ऐसे खेलों में हिस्सा लेता है या पहले लेता था ? जैसे– ''छुपन–छुपाई या झात'', ''रिंग ए रिंग रोस'', ''अक्कड–बक्कड बाम्बे पो'', ''पौशम–पा'', ''चल चमेल बाग में'', ''तोता उड़ मैना उड'' इत्यादि। अथवा क्या आपका बच्चा खिलौने से झूठ–मूठ के खेल खेलता है? जैसे– लड़कियों के लिए– किचन सैट/गुडिया/बर्तन/मिट्टी या आटे से खेलना) लड़कों के लिए– टेलीफोन, मोटरकार, खिलौना बन्दूक आदि से खेलना। अथवा क्या आपका बच्चा अन्य बच्चों के साथ मिलकर ''घर–घर'', ''अध्यापक–छात्र'', ''चोर–पुलिस'', ''स्कूल–स्कूल'' जैसे खेल खेलता है। ☐	खिलौने या अन्य चीजों के साथ बच्चों को खेलने की गुणवत्ता, किसी और भिन्न खेल खेलने का ढोंग करना। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	(यथा आवश्यकता अनुसार विभिन्न खेलों के आयु अनुसार उचित क्षेत्रीय उदाहरण जोड़े जा सकते हैं)				
क3क	i) *क्या आपके बच्चें को ऐसी बेमतलब की चीजों के कामों में बहुत ज्यादा रूचि होती है जिनमें अन्य बच्चों को रूचि नहीं होती है। जैसे टॉफी के रेपर, पॉलिथीन बैगस, रस्सी के टुकड़े एकत्रित करना, धागा और रबर बैंड खींचना। ☐	कोई असामान्य रूचि अर्थात बच्चे की आयु के अनुसार असामान्यता। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	ii) क्या आपके बच्चे को विशिष्ट वस्तुओं में अत्यधिक रूचि है। परन्तु रूचि इतनी अधिक है कि यह उसके कार्यकलापों में हस्तक्षेप करती है (टी.वी. देखने को छोड़कर)। ☐	उन गतिविधियों में अत्यधिक ध्यान देना जो कि उस आयु के अन्य बच्चों के लिए विशिष्ट है। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	iii) क्या आपका बच्चा चीजों को या खिलौनो को बार–बार एक पंक्ति में रखने या स्टैकिंग का कार्य करता रहता है। ☐	चीजों तथा खिलौनों का अत्यधिक पंक्तिकरण। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं

IndiaCode

क3ख	*क्या आपका बच्चा बिना किसी कारण के किन्हीं विशेष कार्यों को एक ही तरह से करने की जिद करता है और/या उसमें किसी भी बदलाव से नाराज हो जाता है। जैसे–एक ही रास्ते से स्कूल या बाजार जाना, एक ही तरह अथवा क्रम से खाना परोसने की जिद करना। ☐	किसी असामान्य बात या दिनचर्या पर बच्चे द्वारा जिद किया जाना। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
क3ग	i) क्या आपका बच्चा ऐसी हरकतें बार–बार करता रहता है – • ताली बजाना • हाथ मरोड़ना • पंजे के बल चलना • असंतुलित चलना • गोल–गोल घूमना • अपने चेहरे के पास अंगुलियों या हाथों से अजीब हरकतें करना। ☐	*किसी भी प्रकार के मोटर स्टीरियोंटाइप, चेहरे के पास उंगुली/हाथ को असामान्य तरीके से घुमाना। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
	सक्षात्कारकर्ता के लिए नोटः प्रदर्शन से पूछे तथा यदि किसी उपर्युक्त उदाहरण में से कोई एक सकारात्मक हो तो उत्तर ''हां'' होगा।				
	ii) *क्या ऐसी चीजे आपके बच्चे को घूमती चीजें अत्यधिक अच्छी लगती है? जैसे घूमता हुआ पहिया, दरवाजे का खुलना और बन्द होना, पंखे का चलना, बहता पानी या घूमती हुई अन्य चीजें आदि। ☐	गतिमान चीजों के साथ बच्चे का अनुचित लगाव। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं
क3घ	क्या आपका बच्चा पूरे खिलौने या चीजों से खेलने के बजाय सिर्फ उनके एक भाग से ही खेलना पसंद करता है? जैसे– सारे खिलौने की बजाय खिलौने के पहिये से। ☐	*विभिन्न खिलौनों और चीजों के साथ बच्चे के खेलने की गुणवत्ता। ☐	हाँ	नहीं	सुनिश्चित नहीं

खंड ख

खंड क की प्रत्युत्तरों के आधार पर इस खंड (1–5) को पूरा करें और आगे इतिहास प्राप्त करें (6–12)।

1. खंड क के क1 में पूरे किये गये मापदंडों की संख्या (सामाजिक अंतः क्रिया) ☐

0: दो से कम ।

1=दो अथवा अधिक

2. खंड क के क2 में पूरे किये गये मापदंडों की संख्या (संप्रेषण) ☐

0 : शून्य

1: एक अथवा अधिक

3. खंड क के क3 में पूरे किये गये मापदंडों की संख्या (प्रतिबंधित अभिरूचियां) ☐

0 : शून्य

1: एक अथवा अधिक

IndiaCode

4. प्रश्नों की व्याख्या (1 से 3 तक)

0 : कोई ए एस डी नहीं (यदि 1 से 3 तक मैं से 2 का अथवा इससे अधिक का प्रत्युत्तर ''0'' हो तो) ☐

1: ए एस डी उपस्थित (यदि 1 का प्रत्युत्तर 1 है और किसी एक का अथवा दोनों का और तीनों का प्रत्युत्तर ''1'' हो तो)

5. ए1, ए2 और ए3 में एक साथ मिलकर पूरे किये गये मापदंडों की कुल संख्या

0 : छह से कम ☐

0 : छह अथवा अधिक

6. क्या अपके बच्चे में निम्न से कोई लक्षण है/थे ?

: 0: नहीं 1: हाँ

क. बच्चे की भाषा के विकास में अत्यधिक देरी। (दो वर्ष की आयु तक एक शब्द और तीन वर्ष की आयु तक दो या तीन शब्द के वाक्य नहीं बोलता था)। ☐

ख. दैनिक कार्यकलापों अथवा अन्य व्यक्तियों के साथ अंतक्रिया के दौरान भाषा के प्रयोग में

कठिनाई। ☐

ग. अलग—अलग तरह के झूठ—मूठ के खेल खेलना देर से शुरू किया था/खेलता ही नहीं था।

घ. निम्नलिखित में से कोई एक (यदि निम्नलिखित में से कोई एक हाँ हो तो 1 अंक दें) ☐

(बच्चों में उपस्थित समस्याओं को (✓) निशान लगायें:

—अन्य बच्चों से अलग और उदासीन होना।

— मित्र न होना/बहुत कम मित्र होना।

—स्कूल में परेशानी (पढ़ाई या व्यवहार के कारण)

—सामाजिक नियमों के संबंध में कम जानकारी होना। ☐

7. क्या आपका बच्चे में तीन साल की आयु से पहले निम्नलिखित लक्षण थे?

0: नहीं

1: हाँ/नहीं जानता/सुनिश्चित नहीं। ☐

8. क्या बच्चा रैटस डिसआर्डर के निदान हेतु निम्नलिखित सभी मापदंड पूरा करता है?

- लडकी होना
- 5—30 मास की आयु के बीच प्रयोजनमूलक हस्तकौशल की कमी होना और स्टिरियोटाइप हाथ मलने, हाथ धोने अथवा मुँह में हाथ डालने का विकास होना।
- प्रारंभिक 9—29 मास के दौरान सामाजिक मेल—जोल की कमी होना (तथापि सामाजिक अंतक्रिया बाद में विकसित होती है)।
- गंभीर साइकोमोटर मंदता के साथ गंभीर बाधित व्याख्यात्मक और प्राप्तात्मक (Expressive and receptive) भाषा का विकास।

0: नहीं 1 : हाँ। ☐

IndiaCode

9. क्या बच्चा बचपन के विघटनकारी डिसआर्डर (सीडीडी) के निदान हेतु निम्नलिखित मापदंडों को पूरा करता है?

- आयु के अनुसार उपयुक्त मौखिक और अमौखिक संप्रेषण, सामाजिक संबंधों, खेल और अनुकूलीय आचरण द्वारा 2 वर्ष की आयु तक सामान्य विकास।
- 2 वर्ष की आयु के बाद पहले अर्जित गुणों (10 वर्ष की आयु से पूर्व) में से निम्नलिखित में से 2 अथवा अधिक क्षेत्रों में में हुई कमी (उन क्षेत्रों में (✓) लगायें जिनमें कमी हुई है)।

  –व्याख्यात्मक / प्राप्तात्मक भाषा

  –सामाजिक कौशल / अनुकूलन व्यवहार

  –बाउल अथवा ब्लेडर नियंत्रण

  –खेलकूद कौशल

  –मोटर स्किल्स

- निम्नलिखित क्षेत्रों में से कम से कम दो में कार्य करने में अपसामान्यतायें :

  –सामाजिक अंतः क्रिया में गुणवत्तात्मक बाधा।

  –संप्रेषण में गुणवतात्मक संप्रेषण।

  –व्यवहार के प्रतिबंधित, बारंबारता और स्टीरियोटापइप पैटर्न्स।

10. निम्नलिखित में से किसी में भी अत्यधिक क्लिनिकल देरी नही है।

- भाषा विकास (2 वर्ष की आयु तक एक शब्द और 3 वर्ष की आयु के बाद मुहावरा संसूचित करना)।
- बौद्धिक विकास अथवा उपयुक्त आयु के अनुसार स्व सहायता के कौशलों का विकास।
- अनुकूलन व्यवहार (सामाजिक अंतक्रिया को छोड़कर) ।

0: नहीं 1: हाँ ☐

IndiaCode

11. एएसडी मूल्यांकन का सारांश

0: कोई एएसडी नहीं (4 का प्रत्युत्तर ''0'' है)।

1. ऑटिज्म (1 से 7 तक सभी का प्रत्युत्तर ''1'' है और 8, 9 का ''0'') है।

2. एसपर्जरस डिसआर्डर (4 का प्रत्युत्तर '1', 6 घ का '1' तथा 10 का '1' है)

3. पीडीडी–एनओएस (4 का प्रत्युत्तर ''1'' है और 5 अथवा 7 में किसी एक का अथवा दोनों का ''0'' है)।

4. रैटस डिआर्डर (4 का प्रत्युत्तर ''1'' है, 8 का ''1'' है)।

5. सीडीडी (4 का प्रत्युत्तर ''1'' है और 8 का ''1'' है।

6. अनिश्चित (मापदंड पूरा नहीं किया तथा अत्यधिक अनिश्चित प्रत्युत्तर, उपयुक्त हालात में परीक्षण नहीं किया जा सका) ☐

12. क्या इन लक्षणों की बौद्धिक विकलांगता द्वारा पूरी तरह से व्याख्या की जा सकती है।

0: नहीं 1: हाँ, यदि हाँ, तो टैग समीक्षा को रेफर करें। ☐

13. साक्षात्कार के दौरान अतिरिक्त नोट और टिप्पणी। ☐

आकलनकर्ता का नाम	आकलनकर्ता के हस्ताक्षर	आकलन की तारीख

भारत में बच्चों के बीच न्यूरोडेवलपमेन्टल

विकलांगता : एक इन्कलेन अध्ययन

इन्कलेन मॉडयूल

ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिस्आर्डर

(ASD)

इन्कलेन ट्रस्ट

इन्कलेन ट्रस्ट इन्टरनेषनल

1. मॉडयूल के षिक्षण उद्देष्य

उद्देष्य

इस मॉडयूल के पूर्ण होने के बाद, भागीदारों को निम्न के योग्य होना चाहिएं

- ऑटिज्म स्पैक्ट्रम अव्यवस्था (ASD) के मूल लक्षणों का वर्णन करना
- एएसडी के विभिन्न नैदानिक प्रस्तुतियों का वर्णन करना
- डीएसएम–IV टीआर मानदंड का प्रयोग करके एएसडी सहित शिशु का नैदानिक रूप से मूल्यांकन करना

2. प्रस्तावना

ऑटिज्म स्पैक्ट्रम अव्यवस्था (ASD) शब्द विकास के अनेक क्षेत्रों में बाधिता द्वारा विशिष्ट तंत्रिकाविकासीय अव्यवस्था के व्यापक स्पैक्ट्रम को गठित करता है। ''प्रसारित करने वाला'' शब्द उपयोग में लाया जाता है क्योकि मनोवैज्ञानिक विकास के अनेक मूल क्षेत्र एक ही समय प्रभावित होते है। बाधिता ''गुणात्मक'' होती है तथा व्यक्ति के विकास अथवा संज्ञानात्मक आयु के संबंध में अलग–अलग होती है। इनमें परस्पर सामाजिक–भावनात्मक क्रियाकलापों, असामान्य भाषा एवं संप्रेषण तथा स्टिरियोटाइपिक व्यवहारों और/अथवा प्रतिबंधित हितों सहित असामान्य व्यवहारों में कमिया शामिल है। अमरिकन मनोचिकित्सक संघ द्वारा प्रस्तावित संसोधनों (DSN विकास) के अनुसार, ऑटिज्म स्पैक्ट्रम अव्यवस्था शब्द में ऑटिस्टिक अव्यवस्था (ऑटिज्म), एसपर्जर अव्यवस्था, बचपन गैर एकीकृतात्मक अव्यवस्था तथा PDD–अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं (PDD-NOS) शामिल है। एएसडी का हमारा ज्ञान विकसित हो रहा है तथा चूंकि हम इन अव्यवस्थाओं के ईटीओ–रोगजनन के बारे में और अधिक सीखते है, वर्गीकरण विकसित होगा।

ऑटिज्म स्पैक्ट्रम अव्यवस्था (ASD) में शामिल है

1. ऑटिस्टिक अव्यवस्था/ऑटिज्म शामिल है
2. एसपर्जर का सिन्ड्रोम
3. रैट की अव्यवस्था
4. बचपन गैर एकीकृतात्मक अव्यवस्था
5. प्रसारित करने वाली विकासीय अव्यवस्था–अन्यथा विर्निदिष्ठ नहीं (PDD-NOS)

DSMIVTR

अनुबंध–ख

ऑटिज्म के मूल्यांकन हेतु भारतीय मापक

<u>प्रयोजन</u>

ऑटिज्म के मूल्यांकन हेतु 01 भारतीय मापक को विकसित करने का प्रयोजन विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु ऑटिज्म युक्त व्यक्तियों का मूल्यांकन करना था।

मापक की व्याख्या

ऑटिज्म के मूल्यांकन हेतु 01 भारतीय मापक 06 ज्ञानक्षेत्रों के तहत समूहबद्ध 40 परीक्षण मदों को शामिल करके एक श्रेणी मापक है।

I. सामाजिक संबंध तथा पारस्परिकता

सामान्य तौर पर ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अलग, सामाजिक रूप से कटे हुए होते है तथा अन्य व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श नहीं करते है। वे अन्य व्यक्तियों की पीडा अथवा दुःख जैसी भावनाओं को कठिनाई से समझते है वे नजर मिलाने में कठिनाई महसूस करते है तथा वे उपयुक्त समकक्ष आयु संबंध विकसित नहीं कर पाते है।

II. भावनात्मक प्रतिक्रियाषीलता

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति सामाजिक स्थिति में प्रत्याशित भावनाओं को प्रकट नहीं करते है। भावनात्मक प्रतिक्रियाऐं स्थिति से संबंधित नहीं होती है तथा उपस्थित कारण के बिना अत्यधिक मात्रा में चिंता अथवा भय को दर्शा सकते है। वे अनुपयुक्त भावनात्मक प्रतिक्रिया दिखा सकते है।

III. वाक्–भाषा तथा सम्प्रेषण

ऑटिज्म युक्त व्यक्तियों को वाक् विकास में समस्याए आती है। वे अपनी आवश्यकताओं को मौखिक तौर पर तथा गैर मौखिक तौर पर अभिव्यक्त करने में कठिनाई पाते है तथा दूसरों की गैर मौखिक भाषा को समझने में भी कठिनाई पाते है। ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अक्सर शब्दों का अनुकरण करते है तथा वे संदर्भ से इतर शब्द, वाक्यांश अथवा वाक्य को दौहरा सकते है।

IV. व्यवहार नमूना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति हाथो को फडफडाने तथा इस उद्देश्य हेतु किसी वस्तु का प्रयोग करने के रूप में स्वयं–उत्तेजक व्यवहार में लगा सकते है। वे दिनचर्या का अनुकरण करने की जिद करते है तथा परिवर्तन का विरोध करते है। कुछ ऑटिस्टिक (Autistic) बच्चे परेशान हो सकते है तथा आक्रमक व्यवहार कर सकते है।

V. भावनात्मक पहलु

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति सामान्य तौर पर भावनात्मक उत्तेजना के लिए भावुक होते है। उनमें से अधिकांश प्रकाश, ध्वनि, गन्ध तथा अन्य बाह्य उत्तेजना के प्रति अत्यधिक भावुक होते है कुछ ऑटिस्टिक (Autistic) बच्चे वस्तुओं को सूंघकर, छूकर तथा चखकर उनके वातावरण का पता लगाते है।

VI. संज्ञानात्मक घटक

ऑटिज्म युक्त व्यक्तियों में ध्यान तथा सकेन्द्रण की कमी होती है। वे शीघ्रतापूर्वक अनुदेशों को नहीं समझ पाते है अथवा काफी देर बाद समझ पाते है। उनमें से विशेष अथवा असामान्य योग्यता रखते है जिसे गणित, संगीत, स्मृति तथा ऑटिस्टिक (Autistic) योग्यताओं जैसे कुछ क्षेत्रों में सावंत योग्यता के रूप में जाना जाता है।

परीक्षण प्रषासन हेतु अनुदेष

USAA मानक परीक्षण स्थितियों तथा परीक्षण विधियों के तहत व्यवस्थित किया जाये जो निम्न प्रकार है।

क) परीक्षण स्थिति

परीक्षक को भूख, निद्रा तथा स्थिति परिवर्तन से उत्पन्न व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक स्थितियों के प्रति भावुक होना चाहिएं। जब कोई व्यक्ति निपटान विहिन अथवा गैर विधिवत रूप से व्यथित हो तो उसके परीक्षण से बचना चाहिएं।

ख) मूल्यांकन की विधि

मूल्यांकन में शामिल है

i देखना

ii सूचना प्रदाता/माता–पिता का साक्षात्कार

iii परीक्षण करना

ग) परीक्षण सामाग्रियां

मूल्यांकन के दौरान ऑटिज्म युक्त व्यक्तियों से प्रतिक्रियाऐं प्रकट कराने के लिए उचित सामाग्री तथा गतिविधियां प्रयोग में लायी जानी है। किट में निम्नलिखित वस्तुऐं शामिल होनी चाहिएं।

वस्तुऐं

1. कार
2. बॉल (विभिन्न प्रकार)
3. गुडिया (विभिन्न प्रकार)
4. रेटिल (Rattle)
5. पिक्चर बुक
6. रिंग सहित पैग बोर्ड
7. सोर्टिंग बोर्ड
8. कप
9. चम्मच
10. स्ट्रींग सहित बीडस
11. कलर कार्ड/बोर्ड
12. चाबी
13. घडी
14. हाथ की घंटी
15. पेपर और क्रेऑन/कलर पेन्सिल
16. ब्लॉकस
17. स्क्वीजर–बिल्ली/कुत्ता
18. सेब/केला/संतरा/सब्जियां
19. बॉक्स
20. बोतल और प्लेटस
21. शीशा
22. सेप सोर्टर (Shape sorter)
23. रोलिंग बॉल सहित स्लाइड
24. संगीतीय खिलौने

क) परीक्षण का समय

परीक्षण हेतु अपेक्षित समय, परीक्षण वस्तुओं की जटिलता तथा प्रतिक्रिया में तत्परता के अनुसार भिन्न–भिन्न होगा। आईएसएए का प्रयोग करके ऑटिज्म युक्त व्यक्तियों के मूल्यांकन में एक घंटा लग सकता है।

IndiaCode

अंक लिखने की प्रणाली

अंक लिखने की प्रणाली के अनुसार आईएसएए को निम्नानुसार अंक दिये जाने चाहिएं :–

40 परीक्षण वस्तुओं में से प्रत्येक को 05 श्रेणियों में श्रेणीबद्ध किया जाना है, जिनमें से एक की जांच की जानी है। इनको देखी जाने वाली व्यवहारिक विशेषताओं की बारंबारता, डिग्री तथा गहनता दर्शाने हेतु प्रतिशत्ता प्रदान करने के जरिये आगे मात्रा निर्धारित किया जाता है। प्रतिशत्ता के साथ श्रेणियों को निम्नानुसार निश्चित किया जाता है :–

कभी कभार (20 प्रतिशत तक) दर्शाता है कि व्यक्ति समय के 20 प्रतिशत तक के लिए इस व्यवहार नमूने को प्रदर्शित करता है। यह अंक उनकी आयु तथा सामाजिक–शैक्षणिक पृष्ठ भूमि सामान्य है – **अंक 1**

किसी समय (21 से 40 प्रतिशत) दर्शाता है कि व्यक्ति समय के 21 से 40 प्रतिशत हेतु इस व्यवहार नमूने को प्रदर्शित करता है। इन व्यवहारों में से कुछ के लिए ध्यान तथा संबंध एक कारण हो सकता है, लेकिन अधिकतर उन्हें सामान्य सीमा के भीतर उनकी आयु तथा सामाजिक–शैक्षणिक पृष्ठ भूमि हेतु विचार किया जाता है।

व्यक्ति दैनिक जीवन में गतिविधियों के लिए पूर्णतः स्वतंत्र होता है – **अंक 2**

बारंबार (41 से 60 प्रतिशत) दर्शाता है कि व्यक्ति समय के 41 से 60 प्रतिशत हेतु इस व्यवहार नमूने को प्रदर्शित करता है। ये व्यवहार ऐसी बारंबारता तथा नियमितता के साथ घटित होते है जिससे कि वे दैनिक जीवन में व्यक्ति के कार्यो में हस्तक्षेप करते है। इस स्तर पर व्यवहार निश्चित तौर पर विकलांगता का होगा।

व्यक्ति दैनिक जीवन की गतिविधियों को पूरा करने के लिए न्यूनतम सहायता की आवश्यकता होती है – **अंक 3**

अधिकांष (61 से 80 प्रतिशत) दर्शाता है कि व्यक्ति समय के 61 से 80 प्रतिशत हेतु इस व्यवहार नमूने को प्रदर्शित करता है। प्रदत्त व्यवहार बिना किसी ज्ञेय उत्तेजना के घटित हो सकता है। विचाराधीन व्यवहार इतनी नियमितता से घटित होता है कि यह प्रमुख तौर पर व्यक्ति को दैनिक गतिविधियों के निष्पादन में बाधित करता है।

व्यक्ति को दैनिक जीवन की गतिविधियेां में सहायता की आवश्यकता होती है – **अंक 4**

सदैव (81 से 100 प्रतिशत) दर्शाता है कि व्यक्ति इस व्यवहार नमूने को लगभग सभी समय पर इतना अधिक प्रदर्शित करता है ताकि इसे बडी विकलांगता समझा जा सके। व्यवहार प्रदत्त स्थिति को यदाकदा उपयुक्त होता है।

व्यक्ति दैनिक जीवन की गतिविधियों पर पूरी तरह निर्भर होता है – **अंक 5**

न्यूनतम अंक, जो प्राप्त किये जा सके, 40 है।

अधिकतम अंक, जो प्राप्त किये जा सके, 200 है।

ISAA वस्तुओं की परिचालनीय परिभाषा

I. सामाजिक संबंध तथा पारस्परिकता

1. नजर कम मिलाना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अन्य व्यक्तियों की आंखों में देखने से बचते है। वे निश्चित आयु अथवा अपेक्षित सामाजिक मानदंडों की अपेक्षा के अनुसार आंखे मिलाने में असमर्थ होते है। नजरे मिलाना असामान्य हो सकता है जैसे कि बहुत अत्यधिक दूरी पर किसी स्थान को निहारना अथवा दाये–बाये देखना।

2. सामान्य मुस्कराहट की कमी

ऑटिज्म व्यक्ति अन्य व्यक्तियों से मिलने पर अथवा परस्पर विचार–विमर्श के दौरान मुस्कराते नहीं है जिस मुस्कराहट से सामाजिक प्रतिक्रिया तथा मान्यता प्रदर्शित होती है, वह ऐसे व्यक्तियों से प्रकट नहीं होती है

जब कोई बच्चा देखने लगता है तो वह अजनबियों से कैसी प्रतिक्रिया करता है, क्या मुस्कराता है अथवा नहीं। वह मुस्कराने अथवा हाथ मिलाने जैसे कार्य के बदले मैत्रीपूर्ण तरीके से किस प्रकार प्रतिक्रिया करता है।

3. अलग रहना

ऑटिज्म युक्त व्यक्तियों अथवा वातावरण से अलग, स्व–केन्द्रित, पीछे तथा गैर प्रतिक्रियात्मक हो सकते है। वे स्वयं पहले से ही घिरे हुए महसूस करते है तथा सामाजिक जगत से दूर बने रहते है। वे मुस्किल से अन्य व्यक्तियों का सामना करते है अथवा मिलने की पहल करते है। यह आयु–उपयुक्त साहस खेल की कमी है।

4. अन्य व्यक्तियों के साथ बाहर न जाना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श नहीं करते है तथा सामाजिक रूप से गैर–उत्तरदायी रहते है वे सामाजिक विचार विमर्श के प्रति पहल, मांग अथवा प्रतिक्रिया नहीं करते है। वे अपने नाम की प्रतिक्रिया नहीं करते है, और यदि वे करते भी है, तो वह ठीक नहीं होता है।

जांच करे कि बच्चा/व्यक्ति दूसरों से अनुक्रिया अथवा प्रतिक्रिया प्रकट करने के लिए कोई पहल करता है। क्या वह अपना नाम प्रकट करता है अथवा नहीं तथा वह कैसी प्रतिक्रिया करता है जब उसे शेष सामाजिक विचार विमर्श करने की जिम्मेदारी सोपने का प्रयास किया जाता है।

Indiacode

5. व्यक्तियों से संबंध रखने की अयोग्यता

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के साथ मिलने की पहल नहीं करते है तथा हमउम्र व्यक्तियों के साथ आशाानुरूप संबंध नहीं बनाते है ऑटिज्म युक्त व्यक्तियों को अन्य व्यक्तियों की उपस्थिति तथा सामाजिक स्थितियों के बारे में याद दिलाना पडता है।

6. सामाजिक/पर्यावरणीय संकेतों की प्रतिक्रिया व्यक्त करने की अयोग्यता

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति सामाजिक तथा पर्यावरणीय मांगों अथवा अपेक्षाओं के प्रति जिम्मेदार नहीं होते है। वे ऐसा व्यवहार करते है जो सामाजिक वातावरण की मांगों/अपेक्षाओं से मेल नहीं खाते है।

पूछे कि क्या बच्चा दी हुई स्थिति में अपेक्षानुसार ठीक प्रकार व्यवहार करता है अथवा नहीं तथा यह भी पता लगाये कि क्या बच्चा उस समय ठीक बर्ताव करता है, उस समय उसके माता–पिता उसे उसके मित्रों अथवा रिश्तेदारों के पास ले जाते है अथवा जिस समय वे बाजार में ले जाते है।

7. अकेले तथा बारंबार खेल गतिविधियों में लगना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अधिकांश खेल अकेले खेलते है अथवा अकेले गतिविधियां करना पसंद करते है वे दूसरों के साथ खेलने से बचते है तथा समूह उन्मुखी गतिविधियों अथवा समग्र कार्यो में नहीं लगते है।

पूछे कि क्या बच्चा अन्य बच्चों के साथ समूह में खेलता है अथवा वह कुछ वस्तु अथवा सामग्री के साथ बारंबार अकेले खेलता है।

8. सामाजिक अंतः क्रिया में बारी लेने की अयोग्यता

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के साथ पारस्परिक अंतः क्रियाओं में बारी लेने की महत्ता को नहीं समझते है। वे अपनी बारी आने अथवा दूसरे की बारी समाप्त होने तक प्रतीक्षा नहीं करते है।

जांच करे कि क्या बच्चा अन्य किसी के साथ बारी लेने के जरिये गेंद से खेल सकता है अथवा क्या वह बैट और बॉल किसी के साथ खेल सकता है जिसमें बारी लेने की आवश्यकता हो, क्या वह अपनी बारी की प्रतीक्षा करता है जब वह दूसरों से बात करता है।

9. हमउम्र संबंध न बनाये रखना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति आयु उपयुक्त मित्रता विकसित नहीं करते है वे आयु उपयुक्त हमउम्र अंतः क्रियाओं से नहीं जुडते है अथवा हमउम्र संबंधों को बनाये नहीं रखना चाहते जोकि सामाजिक रूप से अपेक्षित है। ऑटिस्टिकस (Autistic) व्यक्ति सामाजिक नियमों को समझने में कठिनाई पाते है तथा सामाजिक सीमाओं को नहीं मानते है।

पूछे कि क्या बच्चा हमउम्र के साथ खेलता है, वह उनके साथ क्या खेल खेलता है और वह उनके साथ कैसे मिलता है अथवा उनके साथ जुडता है

II. भावनात्मक प्रतिक्रियाषीलता

10. अनुपयुक्त भावनात्मक प्रतिक्रिया

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति सामाजिक स्थिति में प्रत्याशित भावना नहीं दिखाते है। जब उनको गाली दी जाती है अथवा थप्पड मारा जाता है तो वे अनुपयुक्त प्रतिक्रिया दिखाते है जैसे अत्यधिक चिल्लाना अथवा हसना, जिसकी आवश्यकता नहीं होती है, जैसी अनुपयुक्त प्रतिक्रिया की मात्रा अभिव्यक्त करते है। व्यक्ति के चारों और घटना अथवा स्थिति से संबंध न रखने वाली भावनात्मक प्रतिक्रियाऐं होती है। वे भावनाओं में अप्रत्याशित परिवर्तन दिखाते है, अर्थात, वे बिना प्रकट कारण के उत्साहित, नाराज अथवा दुखी हो सकते है।

11. अतिरंजित भावनाओं को दिखाना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति चिंता अथवा भय को बहुत बढ़ाचढ़ाकर दिखा सकते है जिसकें पीछे कोई कारण दिखाई नहीं पडता है। कभी–कभी यह बहुत अतिरंजित हो सकता है। ऑटिस्टिक (Autistic) व्यक्ति अहानिकर वस्तुओं अथवा घटनाओं का चरम भय दिखा सकता है जिससे उसका व्यवहार अनियंत्रित हो सकता है।

12. स्व–उत्तेजित करने वाली भावनाओं में लगना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति खुद बात करने लग जाते है जोकि उनकी आयु के लिए अनुपयुक्त होती है। ऑटिस्टिक (Autistic) व्यक्ति स्वयं बिना किसी प्रकट कारण के मुस्करा सकते है। जांच करे कि क्या बच्चा बिना किसी कारण स्वयं से बात करता है अथवा हसता है अथवा मुस्कराता है अथवा ठिनकता है।

13. खतरे के भय की कमी

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति जोखिमों अथवा खतरों का भय नहीं दर्शाते है जबकि उन्हीं की आयु के व्यक्ति दर्शाते है अथवा जानते है।

IndiaCode

14. बिना प्रकट कारण के उत्तेजित अथवा क्रोधित होना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति उत्तेजना, अत्यधिक गतिविधि अथवा क्रोध दिखा सकते है जो अत्यधिक और अनावश्यक दोनों हो सकते है। ऑटिस्टिक (Autistic) बच्चा अत्यधिक ऊर्जा से चारों तरफ चलता है तथा उसे नियंत्रण में लेना कठिन हो सकता है।

III. वाक्—भाषा तथा संप्रेषण

15. प्राप्त वाक् तथा इसे खोना

वाक् विकास आयु—उपयुक्त नहीं है। ऑटिस्टिक (Autistic) व्यक्ति ने वाक् का विकास किया हो परन्तु बाद में उसे खो दिया हो। 50 प्रतिशत ऑटिस्टिक (Autistic) व्यक्ति मूक बाधित हो सकते है।

16. गैर मौखिक भाषा अथवा संकेत का प्रयोग करके संप्रेषण करने में कठिनाई

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं को गैर मौखिक रूप से व्यक्त करने में कठिनाई पाते है तथा वे अन्य व्यक्तियों की गैर मौखिक भाषा समझने में भी कठिनाई पाते है, संकेत करने अथवा इशारा करने की बजाय, वे दूसरे हाथ को पकडकर वांछित वस्तु के बारे में दूसरों को बता सकते है।

कप, गुडिया, कार, चम्मच तथा चाबी को एक कतार में रखे तथा बच्चे से उन वस्तुओं में से किसी एक की और इशारा करके पूछे। एक समय पर 2 या 3 वस्तुऐं जांच के लिए रखे यदि बच्चा वस्तुओं की और इशारा कर सकता है।

17. भाषा के पारंपरिक तथा पुनरावृत्तीय उपयोग में लगना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति एक शब्द, वाक्यांश अथवा वाक्य को बिना संदर्भ के दोहरा सकते है। वे एक कथन को अनेको बार दौहराते है।

18. इकोलेलिक वाक् में लगना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अन्य व्यक्तियों द्वारा किये गये इको प्रश्नों अथवा कथनों को दौहरा सकते है। वे नहीं समझ सकते है कि उन्हें प्रश्नों का उत्तर देना है।

देखें कि क्या बच्चा आपके द्वारा कथित बात को पूरी तरह अथवा आंशिक रूप से दौहरा रहा है जो आपने कही है।

19. बचकानी किलकारियों अथवा असामान्य आवाजें प्रस्तुत करना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति किलकारी, विचित्र, आवाजें तथा गैर—बुद्धिमानी भाषण जैसी आवाजें निकाल सकते है। वे भाषण जैसी आवाजें निकाल सकते है जिसका कोई अर्थ नहीं है।

20. अन्य व्यक्तियों के साथ वार्तालाप करने की पहल करना अथवा को बनाये रखने की अयोग्यता

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के साथ वार्तालाप करने की पहल करने अथवा को बनाये रखने में समर्थ नहीं होते है।

जांच करे कि क्या बच्चा प्रश्नों की कडी हेतु अर्थपूर्ण ढंग से प्रतिक्रिया करता है अथवा पर्याप्त समय तक बातचीत कर सकता है।

21. अनाप—शनाप अथवा अर्थहीन शब्दों का प्रयोग

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अजनबी अथवा अर्थहीन शब्दों का प्रयोग कर सकते है जिनसे किसी अर्थ का बोध नहीं होता।

22. सर्वनाम विपर्ययों का प्रयोग

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति सर्वनामों के उपयोग में कठिनाई दिखा सकते है वे बारंबार ''आप'' के लिए ''मैं'' जैसे सर्वनामों को उलट देते है।

23. संप्रेषण के व्यवहारमूलक को ग्रहण करने में असमर्थता

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति को दूसरें व्यक्तियों के भाषण के सच्चे आशय को समझने में कठिनाई होती है। वे भाषण संप्रेषण व्यवहारमूलक को समझ नहीं सकते है। उदाहरण के लिए, जब कोई व्यक्ति उनसे पूछता है ''आप समय बता सकते हो ?, वे हॉं'' कह सकते है तथा रूक सकते है। जांच करे कि क्या व्यक्ति हसी तथा व्यंग्य को समझता है।

IndiaCode

IV. व्यवहार नमूने

24. स्टिरियोटाइप तथा पुनरावृत्तीय मोटर तरीकों में लगना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति हाथों अथवा अंगुलियों को फडफडाने, शरीर को रूहाने तथा इसी उद्देश्य हेतु किसी वस्तु को उपयोग में लाने के रूप में स्व–उत्तेजित व्यवहार में लग सकते है।

25. निर्जीव वस्तुओं से लगाव दिखाना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति कुछ निर्जीव वस्तुओं से निष्ठापूर्वक जुडे हो सकते है जिन्हें वे अपने पास रखने की जिद करते है जैसे रस्सी, पत्थर, पैन, छडी, बोतल और अन्य वस्तुए।

सभी वस्तुओं को रखे तथा जांच करे कि बच्चा निर्जीव वस्तुओं से लगाव दिखाता है। यह तब देखा जा सकता है जब वह किसी एक वस्तु से लगातार खेलना पसन्द करता है तथा इससे उसका बहुत अधिक लगाव प्रतीत होता है और जब उस वस्तु को ले लिया जाता है तो वह विरोध तथा नाराजगी दिखाता है।

26. उच्च गतिविधि/तकलीफ दिखाना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति काबू से बाहर ताकत से परेशान हो सकता है जो दूसरो क लिए उनको नियंत्रण करने में कठिनाई देता है। उच्च गतिविधि उनके शिक्षण तथा निष्पादन कार्यो के साथ हस्तक्षेप करता है।

27. उत्तेजित व्यवहार प्रदर्षित करना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति बिना किसी कारण के उत्तेजना तथा धक्का देना, लात मारना तथा चूटे काटना जैसे सामाजिक रूप से अनुपयुक्त व्यवहार दिखाते है।

28. क्रोधित नखरे में फेकना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति स्वयं को चोट पहुचाने वाले व्यवहारों जैसे स्वयं को काटना, धक्का देना अथवा विकृत करना में शामिल हो सकता है। ऐसे व्यक्तियों पर लगातार उन्हें स्वयं को चोट पहुचाने से बचाने के लिए नजर रखनी पडती है।

29. स्वयं–हानिकारक व्यवहार में लगे रहना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति स्वयं को चोट पहुचाने वाले व्यवहारों, जैसे–स्वयं को काटना, धक्का देना अथवा विकृत करना में शामिल हो सकता है। ऐसे व्यक्तियों पर लगातार उन्हें स्वयं को चोट पहुचाने से बचाने के लिए नजर रखनी पडती है।

30. एकरूपता पर अडे रहना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अपनी दिनचर्या में परिवर्तन नहीं चाहते है तथा वस्तुओं के उसी रूप पर अडे रहते है जैसे वो थे। ऐसे व्यक्ति एकसमान गतिविधि को लगातार जारी रखने के लिए अडे रह सकते है तथा यह बडा कठिन होगा कि उनको ऐसे पुनरावृत्तीय गतिविधियों से दूर किया जा सके। कार्यक्रम में कोई परिवर्तन उनमें क्षोभ तथा क्रोधित नखरे उत्पन्न कर सकते है। इस प्रकार, ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अपने दैनिक तथा परांपरागत तरीकों को बनाये रखने में कठोरता दिखा सकते है।

जांच करे कि क्या बच्चा एक स्थान पर बैठना, एक ही कहानी पढना, एक ही मार्ग को पसन्द करना, एक ही स्थान पर वस्तुओं को रखना पसन्द करना तथा निर्धारित क्रम में सदैव गतिविधियों का एक ही अनुसुची को पसन्द करता है।

V. संवेदी पहलु

31. संवेदी उत्तेजना हेतु अस्वाभाविक तौर पर संवेदनषील

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अपने कानों, आंखों के जरिये कुछ ध्वनियों, प्रकाशों, स्पर्श अथवा स्वाद को दृढता से व्यक्त कर सकते है अथवा कुछ विरोध के कारण भोजन को खाने से मना कर सकते है। वे सक्रिय तौर पर कुछ संवेदी उत्तेजन से बच सकते है। घंटी अथवा कोई ध्वनि सृजित वस्तु को यह देखने के लिए बजाये, कि बच्चा कैसा बर्ताव करता है। ? यह देखे कि क्या वह उस ध्वनि को पीडा देने वाली समझ रहा है अथवा क्या वह अपनी आंखे बंद कर लेता है। यह श्रवण संबंधी उत्तेजना के लिए है। जांच करे कि बच्चा आपके स्पर्श को कैसा महसूस करता है। देखे कि बच्चा चमकीली रोशनी, अंधेरे के प्रति कैसी प्रतिक्रिया करता है।

32. समय की दीर्घ अवधि हेतु स्थान के भीतर तकना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति कुछ दूरी पर स्थल अथवा स्थान पर लंबी अवधि हेतु ताक सकते है। जब वे ऐसा करते है तो वे चारों और के बारे मे अनभिज्ञ रहते है।

IndiaCode

33. वस्तुओं को समझनें में कठिनाई

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति वस्तुओं अथवा व्यक्तियों को गतिवान करने में कठिनाई पा सकते है। वे अपेक्षित समय अवधि हेतु गतिवान वस्तुओं अथवा व्यक्तियों पर अपनी नजर रखने अथवा नियत करने में असमर्थ होते है।

गेंद अथवा झुनझुना फेंकों तथा देखों की क्या बच्चा इसे समझता है या नहीं। एक कार को घुमाओं और इसे चारों और अथवा इसे ऊपर घुमाओं तथा जांच करो कि क्या बच्चा इसे देख रहा है कि यह दूर चक्कर काटता है और घूमता है अथवा नहीं।

34. क्या असामान्य दृष्टि रखता है

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति न्यून से न्यून विवरण को देख सकता है जो कि अन्यों को दिखाई नहीं देता है। ऐसे व्यक्ति किसी वस्तु के कुछ गैर महत्वपूर्ण भाग पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हैं जिन्हें अन्य व्यक्तियों द्वारा सामान्य तौर पर अनदेखा कर दिया जाता है।

जांच करे कि क्या बच्चा वस्तु अथवा खिलौने के किसी सूक्ष्म भाग को देख रहा है अथवा अपनी आँखों के कोनों से निहार रहा है अथवा अपनी आँखों के बहुत नजदीक लाता है और तकता है।

35. पीडा हेतु असंवेदनषील

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति मुश्किल से पीडा को दर्शाते हैं। जब उन्हें चोट लगती है तो वे दुःखी अथवा रोते हुए दिखाई नहीं पडते। वे पीडा हेतु अधिक सीमा रेखा तक महसूस करते हैं।

36. सूंघने, छूने अथवा चखने के जरिये असामान्य तौर पर वस्तुओं हेतु प्रतिक्रिया करना

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति सूंघने, छूने अथवा चखने के जरिये अपने चारों ओर वातावरण का पता लगा सकते है। उनमें से कुछ व्यक्ति वस्तुओं अथवा खिलौनों के उचित उपयोग को नहीं दिखा सकते हैं।

सभी वस्तुओं को रक्खें तथा देखे कि क्या बच्चा वस्तुओं को सूंघ, छू अथवा चख रहा है अथवा क्या वह वस्तुओं को उचित ढंग से प्रयोग कर रहा है।

IndiaCode

VI. संज्ञानात्मक घटक

37. असंगत ध्यान तथा संकेंद्रन

ऑटिज्म युक्त व्यक्तियों के ध्यान को सक्रिया बनाना कठिन है। वे ध्यान केन्द्रित नहीं करते है और यदि वे करते है तो यह वस्तु घटना के संगत पहलुओं पर नहीं हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप, वे अपनी प्रतिक्रिया में असंगत हो सकते है।

बच्चे से बोर्ड पर पैरों को रखने के लिए कहे तथा टुकडों को छांटो तथा उन्हें छटे हुए बोर्ड पर उनके ठीक स्थान पर रखों अथवा बोतल को मनको से भरे अथवा दर्द में मनको को रस्सी से बांधे। जांच करें कि क्या बच्चा कार्य पर ध्यान तथा संकेंद्रित कर सकता है।

38. विलंबित प्रतिक्रिया समय

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति अनुदेशों को शीघ्रता से नहीं समझते हैं अथवा काफी देर बाद समझते हैं। अनुदेशों के प्रति शीघ्र प्रतिक्रिया आशानुरूप मुश्किल से पूरी होती है।

चित्र पुस्तिका/ब्लॉक दिखाओ और बच्चे से चित्र पुस्तक में कुछ वस्तुओं को दिखाने के लिए कहो। देखो कि बच्चा विलंब अथवा पुनरावृत्ति अनुदेशों के पश्चात ध्यान दे रहा है। चीजों अथवा वस्तुओं के नाम के लिए अथवा बच्चें की आयु के आधार पर वस्तु के बीच इसके उपयोग अथवा अन्तर के बारे मे पूछो।

39. असामान्य स्मृति

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति उन वस्तुओं की स्मृति दर्शा सकते हैं जिनको अधिकांश व्यक्ति लंबे समय तक भूल चुके है। उनमें से कुछ पिछले दूरस्थ समय से वस्तुओं को स्मरण करने की अपवादीय योग्यता रखते हैं। जांच करे कि बच्चा उन व्यक्तियों को पहचानता है जो उन्हें बहुत पहले मिले हों अथवा ली गई रोजमर्रा की वस्तुओं अथवा देखे गये जगहों अथवा तारीखों अथवा समय अथवा स्थानों अथवा असाधारण सीमा तक वस्तुओं के नामों को स्मरण रखते हैं।

40. विद्ववान योग्यता

ऑटिज्म युक्त व्यक्ति शीघ्र पढने, गणितीय कार्यों अथवा कलात्मक ज्ञान जैसे कुछ क्षेत्रों में विशेष अथवा असामान्य योग्यता रख सकते हैं। उनमें से कुछ हित के प्रतिबंधित क्षेत्र में उच्चतम योग्यता दिखा सकते हैं।

प्रारूप

शिशु का नाम .....
लिंग ..... तारीख .....
जन्मतिथि ..... आयु ..... परीक्षक .....

एक ISO 9001:2000
संस्था मनोविकास नगर

निदेश : नीचे क्षेत्र के तहत विभाजित 40 विवरणियाँ दी गयी हैं कृपया 6 मापक की प्रत्येक मद हेतु उपयुक्त श्रेणी पर सही का निशान लगाएं, शिशु को देखे तथा ऑटिज्म के मूल्यांकन हेतु माता–पिता का साक्षात्कार करें।

मद		कभी–कभार 20% अंक 1	कभी–कभी 21–40% अंक 2	बारंबार 41–60% अंक 3	अधिकांषतः 61–80% अंक 4	सदैव 81–100% अंक 5
I.	**सामाजिक संबंध तथा पारस्परिकता**					
1.	कम नजर मिलाना					
2.	सामान्य मुस्कराहट की कमी					
3.	अलग रहना					
4.	अन्य व्यक्तियों के साथ बाहर न जाना					
5.	व्यक्तियों से संबंध रखने की अयोग्यता					
6.	सामाजिक/पर्यावरणीय संकेतों की प्रतिक्रिया व्यक्त करने की अयोग्यता					
7.	अकेले तथा बारंबार खेल गतिविधियों में लगना					
8.	सामाजिक अन्तःक्रिया में बारी लेने में अयोग्य					
9.	हमउम्र संबंध न बनाये रखना					
II.	**भावनात्मक प्रतिक्रियाषीलता**					
10.	अनुपयुक्त भावनात्मक प्रतिक्रिया					
11.	अतिरंजित भावनाओं को दिखाना					
12.	स्व–उत्तेजित करने वाली भावनाओं में लगना					
13.	खतरे के भय की कमी					
14.	बिना प्रकट कारण के उत्तेजित अथवा क्रोधित होना					
III.	**वाक्–भाषा तथा संप्रेषण**					
15.	वाक् प्राप्त करना तथा इसे खोना					
16.	गैर मौखिक भाषा अथवा संकेत का प्रयोग करके संप्रेषण करने में कठिनाई					

IndiaCode

17.	भाषा के पारंपरिक तथा पुनरावृत्तीय उपयोग में लगना					
18.	इकोलेकिक वाक् में लगना					
19.	बचकानी किलकारियां अथवा असामान्य आवाजें प्रस्तुत करना					
20.	अन्य व्यक्तियों के साथ वार्तालाप करने की पहल करना अथवा को बनाये रखने की अयोग्यता					
21.	अनाप—शनाप अथवा अर्थहीन शब्दों का प्रयोग					
22.	सर्वनाम विपर्ययों का प्रयोग करना					
23.	संप्रेषण के व्यवहारमूलक को ग्रहण करने में असमर्थता					
IV.	**व्यवहार नमूने**					
24.	स्टिरियोटाइप तथा पुनरावृत्तीय मोटर तरीकों में लगना					
25.	निर्जीव वस्तुओं से लगाव दिखाना					
26.	उच्च गतिविधि/तकलीफ दिखाना					
27.	उत्तेजित व्यवहार प्रदर्शित करना					
28.	क्रोध के नखरे में फेंकना					
29.	स्वयं—हानिकारक व्यवहार में लगे रहना					
30.	एकरूपता पर अडे रहना					
V.	**संवेदी पहलु**					
31.	संवेदी उत्तेजना हेतु अस्वाभाविक तौर पर संवेदनशील					
32.	समय की दीर्घ अवधि हेतु स्थान के भीतर तकना					
33.	वस्तुओं को समझने में कठिनाई					
34.	क्या असामान्य दृष्टि रखता है					
35.	पीडा हेतु असंवेदनशील					
36.	सूंघने, छूने अथवा चखने के जरिये असामान्य तौर पर वस्तुओं हेतु प्रतिक्रिया करना					

IndiaCode

VI.	**संज्ञानात्मक घटक**					
37.	असंगत ध्यान तथा संकेंद्रन					
38.	विलंबित प्रतिक्रिया समय					
39.	असामान्य स्मृति					
40.	विद्ववान योग्यता					

अनुबंध–ग

ऑटिज्म युक्त व्यक्तियों हेतु विकलांगता प्रमाण–पत्र

.....सरकार

प्रमाण–पत्र जारी करने वाले राज्य/अधिकृत ऑटिज्म प्रमाणन चिकित्सा बोर्ड का नाम एवं पता

.....

.....

.....

नवीनतम फोटो यहां चिपकाये

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमति/कुमारी..... सुपुत्र/सुपुत्री ..... निवासी ग्राम/कस्बा/शहर (आवेदक का पूर्ण पता) निम्नलिखित सूचना के साथ :–

क) जन्म तिथि .....

ख) लिंग पुरूष .....महिला .....

ग) अंगूठे के निशान सहित हस्ताक्षर .....

राज्य/अधिकृत ऑटिज्म प्रमाणन चिकित्सा बोर्ड द्वारा जांच की गई है तथा उसे मामूली मध्यम/गंभीर ऑटिज्म युक्त व्यक्ति की श्रेणी में समझा गया है। उसकी विकलांगता का प्रतिशत ..... है।

राज्य /अधिकृत ऑटिज्म प्रमाणन चिकित्सा बोर्ड के
अध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं मोहर

तारीख .....

स्थान .....

MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

(Department of Empowerment of Persons with Disabilities)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th April, 2016

Subject: Guidelines for evaluation and assessment of Autism and procedure for certification

No. 16-21/2013-DD-III.—Autism has been recognized as one of the disabilities under Section 2 of the National Trust Act, 1999 read with the Persons with Disabilities (Equal Opportunities Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995 (PwD Act). The National Trust for the Welfare of Persons with Autism, Cerebral Palsy, Mental Retardation and Multiple Disabilities Act, 1999 provides for the constitution of National Trust for the welfare of this class of persons with disabilities. Thus the guidelines for evaluation of various disabilities and procedure for certification notified by the Ministry on 1.06.2001 covers only the categories of disabilities identified in the PwD Act and do not cover certification of Autism. The State Governments on this reasonable ground are not issuing Disability Certificate to persons with autism.

IndiaCode

2. In order to frame guidelines for evaluation and assessment of Autism and procedure for certification, as given in the Ministry of Health and Family Welfare's O.M. (F.No. Z-28020/106/2014-CH-RBSK) dated 9th July, 2014 and to recommend appropriate modifications/alternations keeping in view Persons with Disabilities (Equal Opportunities Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995, the Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India has developed Guidelines for Assessment of Autism for the purposes of issuance of disability certificate in consultation with Union Ministry of Health and Family Welfare.

3. Definition: Autism Spectrum Disorder is a lifelong neurological condition typically appearing in the first three years of life that is marked by pervasive impairments in the areas of social skills and communication; often associated with hyper-or-hypo-reactivity to sensory input; unusual interest of stereotypical rituals, or behaviours; and may or may not be accompanied by intellectual impairment.

4. For identification of Autism cases the INCLEN tools shall be used. INCLEN Tools for identification of autism cases is at **Annexure A**.

5. The Indian Scale of Assessment of Autism has been developed which provides the detailed assessment procedure and tools for assessing the extent of disability for persons with autism beyond 6 years of age. The Indian scale for assessment of autism is at **Annexure B**. Certification of disability for persons with autism may be carried out by a Autism Certification Medical Board, duly constituted by the Central Government or the State Government, comprising of members from the following fields:

1. Clinical Psychologist/Rehabilitation Psychologist
2. A Psychiatrist
3. A Paediatrician or General Physician as the case may be

The State Governments are, therefore, requested to constitute the Autism Certification Medical Board immediately.

6. Based on the identification of cases of Autism in terms of INCLEN tools, certification of Autism on the basis of ISAA tools shall be issued. The Proforma for issuance of Certificate of Disability of Persons with Autism shall be as per **Annexure C**. The certificate would be valid for a period of 5 years for those whose disability is temporary and are below the age 18 years. For those who acquire permanent disability, the validity can be shown as "Permanent" in the certificate.

7. The Director General of Health Services, Ministry of Health & Family Welfare shall be the final authority, should there arise any controversy/doubt regarding the interpretation of the definition/classification/evaluation test etc.

Details of the Annexures appended to the guidelines are as under:

List of Annexure

Annexure A	INCLEN diagnostic tools
Annexure B	Indian Scale of Assessment of Autism
Annexure C	Proforma for issuance of Certificate of Disbility of Persons with Autism

AWANISH K. AWASTHI, Jt. Secy.

Annexure A

ASD_Tool

UNIQUE ID

NEURODEVELOPMENTAL DISABILITIES AMONG CHILDREN IN INDIA: AN INCLEN STUDY

INCLEN Diagnostic Tool for Autism Spectrum Disorder (INDT-ASD)

State	
District	
Tehsil	
Village (Cluster)	

Date of Interview	D	D	-	M	M	-	Y	Y

Commencing Time	AM/PM	Hr		Min	
Concluding Time	AM/PM	Hr		Min	

PERSONAL INFORMATION OF THE CHILD

Name of the Child: _____

Date of Birth: DD/MM/YYYY Age: ___years___months

Sex:

Complete Address:

Phone number:

Date of Assessment:

Name of the Assessor:

IndiaCode

INSTRUCTIONS FOR EVALUATION

- Primary caregiver must be present with the child.
- These behaviours are to be assessed in the context of children of same age.
- Explain to parents that the answers should be based on the child's behaviour most of the time.
- Follow the age directions given along with the question. For questions where no age cut-off is given, they should be asked for all children i.e. all ages (2-9 years)
- Ask the questions **verbatim**

  Question can be **repeated if** the respondent can not understand

  Still, if the respondent cannot understand, give **example** for the particular behaviour;

  No further elaboration is allowed
- The questionnaire should be **supplemented by observations** for the suggestive behaviour in the child **throughout** the assessment.
- Observe the behaviour of child during the entire interview to confirm the presence or absence of a particular behaviour (First ask, then observe if observations is discrepant, then re ask the question and re-check the observation)

- When there is discrepancy between parental response and your observation, * indicates whether parent report or observation should take precedence, and marked accordingly.

  asterisk (*)

- When the parent's response is "unsure" your observation of the particular behaviour will be given weightage even asterisk (*) is on parental response. In case you are also unable to observe the behaviour, and then only mark the response as "Unsure".

- Some criteria have multiple questions. **While scoring,** consider the criteria fulfilled even if response to **any one** of the questions is abnormal. For example, the criterion **Ala** is considered fulfilled if any one of i, ii, iii or iv is abnormal in the child.

SECTION A

	Ask **(Tick √ in the box if response is based on answer)**	**Observe** **(Tick √ in the box if response is based on observation)**	**Encircle the appropriate response**		
Ala	i) * *For children aged less than 4 years*: Does your child usually enjoy being taken in the lap or hugged? *For children aged 4 years or more*: When your child was a baby/toddler, did he/she enjoy being taken in the lap or hugged? ☐	In children below 4 years age; Response to being touched and cuddled by parent: enjoys/tolerates/squirms/stiffens/gets upset/Indiffernt ☐	Yes	No	Unsure
	ii) Does your child usually make eye contact with you or other people? *Eg. While playing, asking for things, talking to you* ☐	*Quality of eye contact ☐	Yes	No	Unsure
	iii) * Does your child usually use various gestures appropriately during social interactions? *Eg. Namaste, Salaam, waving bye-bye, hello, touching feet etc.* (At least sometimes spontaneously) (use appropriate example as required) ☐	Use of these gestures in response to your greeting and while departing ☐	Yes	No	Unsure
	Further elaborate if required about inappropriate gestures like repeatedly greets anybody without knowing (जैसे : बिना वजह किसी भी अन्जान व्यक्ति को नमस्कार करना बिना वजह बार–बार पैर छूना इत्यादि)				

IndiaCode

	*iv) Does your child **usually** show appropriate facial expressions according to the situation?* *Eg. being happy, sad, afraid etc.* ☐	*Appropriateness of facial expressions while interacting with parents, with you (stranger), while playing, when given toy/favorite food or when scolded. ☐	Yes	No	Unsure
A1b	i) ** Does your child **usually** enjoy the company of other children*? ☐	Child's interaction with other children ☐	Yes	No	Unsure
	ii) ** For children aged 4 years or more*: Does your child have friends of his/her age (In school and neighbour-hood) with whom he/she love to chat, share food or play together? ☐	Quality of child's interaction with other children of his/her age ☐	Yes	No	Unsure or NA
	iii) ** For children aged 4 years or more*: Does your child play mostly with children who are much older or much younger than him/her? ☐	Quality of child's interaction with other children ☐	Yes	No	Unsure or NA

A1c	i) *** For children aged less than 4 years**: Does/did your child ever point with his/her index finger to bring your attention to show the things that interest him/her? *Eg. kite, plane flying in the sky, cow/dog on the road etc.* *For children aged 4 years or more*: Does your child usually bring things to show you on his/her own he/she has made printed or new toy/gift? ☐	Observe how the child draws attention toward a toy/object of interest; Look for coordinated pointing ☐	Yes	No	Unsure

IndiaCode

	ii) For children aged 4 years or more and are able to speak: Does your child talk to you about things he/she likes or has achieved without being asked about them? ☐	☐	Yes	No	Unsure
Ald	i) * Does your child usually prefer to play alone and gets irritated/moves away when his/her sibs or other kids try to play with him/her? ☐	Quality of play activity in a group of children or with siblings ☐	Yes	No	Unsure
	ii) * Does your child play games involving turn taking or rule based with other children properly? *Eg. Cricket, Hide and Seek/I-spy, Ludo, Stapoo, Ring-a-ring roses etc.* ☐	Quality of child's involvement in rule-based games or games involving taking turns ☐	Yes	No	Unsure
	iii) * Does your child **usually** share his/her happiness with you or come to you for comfort when hurt or upset? ☐	Sharing happiness or distress with the parents ☐	Yes	No	Unsure
	iv) * *For children aged 4 years or more*: Does your child **usually** share your happiness or try to comfort you when you are upset/sad? ☐	Sharing of parent's happiness distress by the child ☐	Yes	No	Unsure or NA
A2a	*Does your child speak normally for his/her age? If the child cannot speak normally: Can he/she communicate with you by using gestures? *Eg. by pointing with index finger, nodding/shaking head for yes/no etc.*	Use of age-appropriate language (words-and-phrases). Spontaneous use of gestures for communication; *Quality/maturity of pointing (Mature or immature pointing and 'hand over hand' pointing)	Yes	No	Unsure

IndiaCode

	If the child cannot speak at all AND <u>cannot communicate by appropriate gestures</u>, then only mark as <u>"NO"</u>. **If the child cannot speak BUT can communicate by appropriate gestures, then mark as "YES"** ☐	☐			
	Ask A2b only if child is speaking at 2-3 word sentences level Ask A2c only if the child is speaking at few words level				

A2b	i) *Does your child initiate a conversation with you? ☐	Quality of child's conversation with parents or yourself ☐	Yes	No	Unsure or NA
	ii) * For children aged 4 years or more: Can you have conversation with your child during which he/she not only answers your questions, but also **adds** something **new to continue** the conversation? ☐	Quality of child's conversation with parents or yourself ☐	Yes	No	Unsure or NA
A2c	i) Does your child usually repeat words or phrases regardless of meaning (in part or whole) that he/she has heard? *Eg. If you say, 'toffee' he will also say 'toffee' If you say, 'come' he will also say 'come' and If you ask, 'what is your name' he will also say 'what is your name'* ☐	*Immediate echolalia (words or phrases) ☐	Yes	No	Unsure or NA
	ii) Does he/she **incessantly** repeat things/T.V. serial dialogue regardless of meaning/context, whatever he/she has heard **later on**? ☐	*Delayed echolalia ☐	Yes	No	Unsure or NA

IndiaCode

	iii) *For children aged 4 years or more*: Does your child usually use "I for me" and "me for you" incorrectly? *Eg. when you ask "do you want milk" he/she says "yes you want milk" or "Rohit wants milk" (referring to him self).* ☐	*Pronoun reversal ☐	Yes	No	Unsure or NA
	iv) *For children aged 4 years or more:* During conversation does your child **often** speak 'out of context' or irrelevantly? ☐	Out-of-content speech and neologisms ☐	Yes	No	Unsure or NA
	v) * *For children aged 6 years or more:* Does your child understand that somebody is making fun of him/her or can he/she understands jokes? ☐	Child's response to an age-appropriate joke	Yes	No	Unsure or NA
A2d	*Does your child participate in games like* "Pat-a-cake", "Peek-a-boo", "Ring-a-ring rose", "Akkad bakkad bambe po", "Posam paa", "Chal chameli baag mein" and "Totaa ud-maine ud" etc? **OR** Does your child play variable imaginative play with toys like For girls:- kitchen set/dolls/clay or dough For boys:- telephone/toy/gun/motor car?	Quality of child's play with toys or other objects Look for any form of **variable** pretend play ☐	Yes	No	Unsure

	OR				

IndiaCode

	Has your child played different games like "ghar-ghar", "teacher-student" (school-school), "chor-polic" etc. with other kids interactively ☐	☐			
	(May odd age appropriate regional examples of variable pretend play as necessary) **Note for interviewer : If <u>any</u> one is positive will be marked as "<u>Yes</u>"**				
A3a	i) *Does your child have excessive interest in **odd** things/activities which other children do not have? *E.g. collecting toffee wrappers, polythene bags, piece of string or rope, pulling thread and rubber band etc.* ☐	Any **unusual** interests i.e. unusual for child's age ☐	Yes	No	Unsure
	ii) * Does your child have **excessive** interest in typical things but the interest is so **all encompassing** that it **interferes** his/her activities? (Excluding T.V watching) ☐	**Excessive** and **all-encompassing** interest in activities that are **typical** for other child his/her age. ☐	Yes	No	Unsure
	iii) * Does your child like lining or stacking objects/toys **excessively**? (Excluding blocks) ☐	**Excessive** lining of objects or toys ☐	Yes	No	Unsure

IndiaCode

A3b	Does your child unreasonably **insist** on doing things in a particular way and/or become **upset** if there is any change in the daily routine? *E.g. Taking exactly the same route to the school or market, insisting on food being served in the same pattern or sequence etc.*	Child's insistence on any unusual routines or rituals.	Yes	No	Unsure
A3c	i) Does your child keep on **repeating** any of the followings, like • flapping hands, • hand wringing, • toe-walking, • rocking or spinning, • making **unusual** finger or hand movements near his/her face?	*Any type of motor stereotypes, unusual finger/hand movements near face.	Yes	No	Unsure
	Note for interviewer: Ask with demonstration and answer yes if any one of above example is positive				

IndiaCode

	ii) *Does your child have **inappropriate** fascination with movement? *Eg. spinning wheels, opening and closing of doors, electric fan, running water and any other revolving object etc.* ☐	Child's **Inappropriate** fascination with objects in motion. ☐	Yes	No	Unsure
A3d	Does your child perfer to play with a particular **part** of a toy/object rather than the whole toy/object? *E.g. wheels of a toy rather than the whole toy.* ☐	*Quality of child's play with diffrent toys and objects ☐	Yes	No	Unsure

IndiaCode

SECTION B

Complete this section (1-5) based on responses from section A and further history taking (6-12)

1. No of criteria fulfilled in A1 of the section A (Social Interaction) ☐ **0**: Less than two **1**. Two or more
2. No of criteria fulfilled in A2 of the section A (Communication) ☐ **0**: Nil **1**. One or more
3. No of criteria fulfilled in A3 of the section A (Restricted Interests) ☐ **0**: Nil **1**. One or more
4. Interpretation of questionnaire (1 to 3) ☐ **0**: **No ASD** (if responce to 2 or more of 1 to 3 is "0") **1**. **ASD present** (If response to 1 is "1" **and** response to either or both of 2 and 3 is "1"
5. **Total number of criteria fulfilled in A1, A2 and A3 together** ☐ **0**: Less than Six **1**. Six or more

6. Does/dis your child have any of the following?

0: No **1**: Yes

A. Significant delay in development of language of the child? (Not spoken single words by 2 years and communicative phrases by 3 years) ☐

B. Diffculty in using language in daily activities or during intreaction with other people? ☐

C. Started participating in varieties of pretend play at a later age/Not started pretend play? ☐

D. **ANY of the following (mark '1' if any one of the following is 'yes')**

(Tick (✓) the problems present in the child)

- To be separate and indifferent from other children-
- No/few friends
- Difficulty in school (due to behavior or studies)
- Less understanding regarding societal norms

☐

IndiaCode

7. Did Your child have these symptoms before three years?

0: No

1. Yes/Do not know/Not sure ☐

8. Does the child fulfil all the following criteria for diagnosis of Rett's Disorder?

- Female Child
- Loss of purposeful hand skills between 5-30 months age and development of stereotyped hand wringing, hand washing or hand to mouthing movements
- Loss of special engagement early in course during 9-29 months (although often social interaction develops later)
- Severely impaired expressive and receptive language development with severe psychomotor retardation

0: No 1:Yes ☐

9. Does the child fulfil all the following criteria for diagnosis of Childhood Disintegrative Disorder?

- Normal development till 2 years age, by the presence of age appropriate verbal and nonverbal communication, social relationships, play and adaptive behaviour
- After 2 years of age, loss of previously acquired milestones (before age 10 years) in 2 or more of the following areas (Tick (√) the areas in which milestones are lost)

< Expressive/receptive language

< Social skills/Adaptive behaviour

< Bowel or bladder control

< Play skills

< Motor skills

• Abnormalities of functioning in at least two of the following areas:- < Qualitative impairment in social interaction < Qualitative impairment in communication < Restricted, repetitive and stereotyped patterns of behaviour 0: No 1:Yes ☐
10. There is no clinically significant delay in any of the following? • Language development (single words used by age 2 years, communicative phrase used by age 3 years) • Cognitive Development **OR** Development of age-appropriate self-help skills • Adaptive behaviour (Other than in social interaction) 0: No 1:Yes ☐
11. Summary assessment of ASD 0. **No ASD** (Response to 4 is "0") 1. **Autism** (Response to ALL of 1 to 7 is "1" and 8,9 is "0") 2. **Asperger's Disorder** (Response to 4 is "1", 6D is "1" and 10 is "1") 3. **PDD-NOS** (Response to 4 is "1" and either 5 or 7 or both is "0") 4. **Rett's Disorder** (Response to 4 us "1" and 8 is "1") 5. **CDD** (Response to 4 is "1" and 9 is "1") 9. **Indeterminate** (Criteria non fulfilled, too many unsure responses, could not be tested in appropriate condition)
12. Can these symptoms be solely explained by Intellectual Disability? 0: No 1:Yes if yes, refer to TAG review
13. Additional note and observation during the interview

Name of the Assessor	**Signature of the Assessor**	**Date of Assessment**

IndiaCode

Annexure-B

INDIAN SCALE FOR ASSESSMENT OF AUTISM

Purpose

The purpose of developing an Indian Scale for Assessment of Autism (ISAA) was to assess persons with Autism for issuance of disability certificate

Description of the Scale

Indian Scale for Assessment of Autism is a rating scale comprising of 40 test items grouped under 6 domains:

I. Social Relationship and Reciprocity

Persons with Autism generally remain aloof, socially withdrawn and do not interact with other people. They have difficulty in understanding another person's feelings, such as pain or sorrow. They have problems in maintain eye contact and do not develop age appropriate peer relationships.

II. Emotional Responsiveness

Individuals with Autism do not show the expected feelings in a social situation. Emotional reactions are unrelated to the situation and may show anxiety or fear which is excessive in nature without apparent reason. They may show inappropriate emotional response.

III. Speech – Language and Communication

Individuals with Autism have problems in speech development. They find it difficult to express their needs verbally and non-verbally and may also have difficulty in understanding the non verbal language of others. People with Autism often have echolalia and may repeat a word, phrase or sentence out of context.

IV. Behaviour Patterns

Persons with Autism may engage in self-stimulatory behavior in the form of flapping hands and using an object for this purpose. They insist on following routines and may resist change. Some Autistic children may be restless and exhibit aggressive behavior.

V. Sensory Aspects

Persons with Autism are usually sensitive to sensory stimuli. A majority of them are either hypo or hyper sensitive to light, sound, smell and other external stimulation. Some Autistic children explore their environment by smelling, touching or tasting objects.

VI. Cognitive Component

Individuals with Autism may lack attention and concentration. They do not respond to instructions promptly or respond after a considerable delay. Some of them may have special or unusual ability known as savant ability in some areas like mathematics, music, memory and artistic abilities.

Instructions for Test Administration

USAA must be administered under standard testing conditions and testing methods as given below:

a) Testing conditions

The examiner should be sensitive to the person's physiological conditions arising out of hunger, sleep and state changes. Testing should be avoided when the person is indisposed or unduly distressed.

b) Method of assessment

Assessment involves:
i. Observation
ii. Informant/parent interview
iii. Testing

c) Test materials

Appropriate material and activities are to be used to elicit responses from individuals with autism during assessment. The Kit should comprise the following items:

ITEMS

1.	Car	13.	Watch
2.	Ball (different types)	14.	Hand bell
3.	Doll (different types)	15.	Paper and crayons/colour Pencils
4.	Rattle	16.	Blocks
5.	Picture book	17.	Squeezer – Cat/Dog
6.	Peg board with rings	18.	Apple/Banana/Orange/Vegetables
7.	Sorting board	19.	Box
8.	Cup	20.	Bottle and pellets
9.	Spoon	21.	Mirror
10.	Beads with a string	22.	Shape sorter
11.	Colour card/Board	23.	Slide with rolling ball
12.	Key	24.	Musical toys

IndiaCode

a) Testing time

Time required for testing will vary according to the complexity of test items and subject's alacrity in responding. Assessment of persons with Autism using ISAA may take up to one hour.

Scoring system

ISAA should be scored as per the scoring system given below.

Each of the 40 test items is to be rated on 5 categories, out of which one is to be checked. These are further quantified by providing percentages to indicate the frequency, degree and intensity of behavioral characteristics that are observed. The categories along with the percentage are assigned as follows:

Rarely (Up to 20%) indicates that the person exhibits this behavior pattern for up to 20% of the time. This score is normal for their age and socio-educational background – **Score 1**

Sometimes (21% - 40%) indicates that the person exhibits this behavior pattern for 21% - 40% of the time. Some of these behaviours may be a cause for attention and concern, but by and large they may be considered within normal limits for their age and socio-educational background.

Person is completely independent in activities in daily life – **Score 2**

Frequently (41 – 60%) indicates that the person exhibits this behavior pattern for 41 – 60% of the time. These behaviours occur with such frequency and regularity that they interfere with the persons' functioning in daily life. Behavior at this level will be definitely disabling.

Person may be able to perform activities of daily life with minimum assistance – **Score 3**

Mostly (61-80%) indicates that the person exhibits this behavior pattern for 61-80% of the time. The given behavior may occur without any discernible stimulus. The behavior under consideration occurs so regularly that it significantly hampers the person in performing daily activities.

Person needs assistance in activities of daily life – **Score 4**

Always (81-100%) indicates that the person exhibits this behavior pattern almost all the time, so much so that it would be considered a major handicap. The behavior is seldom appropriate to the given situation.

Person is completely dependent on activities of daily life – **Score 5**

The minimum score that can be obtained is 40.

The maximum score that can be obtained is 200.

IndiaCode

Operational Definition of ISAA items

1. SOCIAL RELATIONSHIP AND RECIPROCITY

1. Poor eye contact

Individuals with Autism avoid looking people in the eye. They are unable to maintain eye contact as expected for a given age or required social norms. Eye contact may be unusual such as gazing for too long on one spot or looking sideways.

2. Lack social smile

Individuals with Autism do not smile when meeting people or in reciprocation. A smile that reflects social response and recognition cannot be elicited from such persons

When a child enters see how he/she reacts to strangers. Whether smiles or not. How he responds to friendly overtures such as a smile or handshake.

3. Remain aloof

Individuals with Autism may remain aloof, self-absorbed, withdrawn and not responsive to people or environment. They seem to be preoccupied with their self and be away from the social world around. They hardly respond to or initiate contact with others. There is lack of age-appropriate pretend play.

4. Do not reach out to other persons

Individuals with Autism do not interact with other people and remain socially unresponsive. They do not initiate, seek or respond to social interactions. They may not respond to their name, and even if they do, it may not be appropriate.

Check if the child/individual takes any initiative to elicit a response or reaction from others. Does he respond to his name or not and how he reacts when to try to engage him in a social interaction.

5. Inability to relate to people

Individuals with Autism do not initiate contact with others and may not relate to people as expected of their age. Reminders are required to attune the individuals with autism to the presence of people and social situations.

6. Inability to respond to social/environmental cues

Individuals with Autism are not responsive to social and environmental demands or expectations. They show behavior which is not synchronous with the demands/requirements of the social environment.

Ask if the child behaves appropriately or not in keeping with what is expected in a given situation and also find out whether the child behaves appropriately when parents take him/her to visit friends or relatives, or behaves properly in a market.

IndiaCode

7. Engage in solitary and repetitive play activities

Individuals with Autism play alone most of the item or prefer solitary activities. They avoid playing with others and may not engage in group oriented activities or tasks at all.

Ask if the child plays in a group with other children or he plays alone with some object or material repetitively.

8. Inability to take turns in social interaction

Individuals with Autism do not comprehend the significance of taking turns in reciprocal interactions with others. They do not wait until their turn comes or other's turn ends.

Check if the child can play with a ball by taking turns with someone or can he play bat and ball with someone, which requires turn taking and whether he waits for his turns when talking to others.

9. Do not maintain peer relationships

Individuals with Autism do not develop age appropriate friendships. They may not engage in age appropriate peer interactions or maintain peer relationships as it is socially expected. Autistic persons appear to find it difficult to understand social rules and conform to social boundaries.

Ask if the child plays with children of his age, what he plays with them and how well he mixes with them or bonds with them.

II. EMOTIONAL RESPONSIVENESS

10. **Inappropriate emotional response**

Persons with Autism do not show the expected feeling in a social situation. They express inappropriate emotional responses like laughing when scolded or spanked and inappropriate degree of responses like excessive crying or laughing that is unwarranted. Emotional reactions are unrelated to the event or situation around the individual. They may show unpredictable shift in emotions, that is, they may become excited, agitated or distressed for no apparent reason.

11. **Show exaggerated emotions**

Persons with Autism may show anxiety or fear which is excessive in nature and which may be triggered off without an apparent reason. At times, it may be exaggerated or atypical. The Autistic individual may show extreme fear of innocuous objects or events leading to uncontrolled behavior.

12. **Engage in self-stimulating emotions**

Individuals with Autism may engage in self talk that is inappropriate for their age. The Autistic individual may smile to self without any apparent reason. Check if the child talks to self or laughs or smiles or whines for no apparent reason.

13. **Lack of fear of danger**

Persons with Autism may not show fear of hazards or dangers which others of the same age would show or know.

14. **Excited or agitated for no apparent reason**

Persons with Autism may show excitement, over activity or agitation that is both excessive and unwarranted. The Autistic child moves around with brisk energy and may be difficult to control.

III. SPEECH-LANGUAGE AND COMMUNICATION

15. Acquired speech and lost it

Speech development is not age-appropriate. The Autistic individual may have developed speech, but lost is subsequently. 50% of autistic may be mute.

IndiaCode

16. Difficulty in using non-verbal language or gesture to communicate

Persons with Autism find it difficult to express their needs non-verbally and may also have difficulty in understanding the non-verbal language of others, instead of gesturing or pointing, they may lead others to the desired object by dragging or pulling the latter's hand.

Arrange Cup, Doll, Car, Spoon and Key in a row and ask the child to point to one of the objects. Keep two or three objects at a time to check if the child can point to objects.

17. Engage in stereotyped and repetitive use of language

Persons with Autism may repeat a word, phrase or sentence out of context. They repeat the same statement many times.

18. Engage in echolalic speech

Persons with Autism may repeat or echo questions or statements made by other people. They may not understand that they have to answer the questions.

Observe if the child is repeating what you said either the whole or a part of what you said.

19. Produce infantile squeals or unusual noises

Persons with Autism may squeal, make bizarre, noises and produce unintelligible speech-like sounds. They may produce speech-like sounds that lack meaning.

20. Unable to initiate or sustain conversation with others

Persons with Autism may not be able to initiate or sustain conversation with others.

Check if the child can meaningfully respond to a series of questions or maintain a dialogue for adequate time.

21. Use jargon or meaningless words

Persons with Autism may use strange or meaningless words which convey no meaning.

22. Use pronoun reversals

Persons with Autism may show difficulty in the use of pronouns. They frequently reverse pronouns such as "I" for "You".

23. Unable to grasp pragmatics of communication (real meaning)

Persons with Autism have difficulty in understanding the true intent of speech of others. They may not understand the pragmatics of speech communication. For example, When somebody asks them "Can you tell the time?", they may say "Yes" and stop. Check if the person understands humour and sarcasm.

IV. BEHAVIOUR PATTERNS

24. Engage in stereotyped and repetitive motor manners

Persons with Autism may engage in self-stimulatory behavior in the form of flapping of hands or fingers, body rocking or using an object for this purpose.

25. Show attachment to inanimate objects

Individuals with Autism may be staunchly attached to certain inanimate objects which they insist on keeping with themselves such as string, rock, pen, stick, toy, bottle and the like.

Keep all the objects and check if the child shows attachment to inanimate objects. This can be seen if he likes to play with one object consistently and seems very much attached to it and shows resistance and temper tantrums when that object is taken away.

26. Show hyperactivity/restlessness

Individuals with Autism may be restless with boundless energy which makes it difficult for others to control them. The hyperactivity interferes with their learning and performance tasks.

27. Exhibit aggressive behavior

Persons with Autism may show unprovoked aggression and socially inappropriate behavior such as hitting, kicking and pinching.

28. Throw temper tantrums

Individuals with Autism may indulge in self-injurious behaviours like biting, hitting or mutilating self. Such individuals have to be constantly supervised to prevent injuring themselves.

29. Engage in self-injurious behavior

Persons with Autism may indulge in self-injurious behaviours like biting, hitting or mutilating self. Such individuals have to be constantly supervised to prevent them injuring themselves.

30. Insist on sameness

Persons with Autism may resist change in their routine and insist that things be the same as they were. Such individuals may insist on continuing the same activity and it would be very difficult to distract them from such repetitive activities. Any change in the schedule leads to frustration and temper tantrums. Thus, persons with autism show a degree of rigidity in their adherence to routine and accustomed ways.

Check if the child wants to sit at the same place, reads the same stories, prefers the same route, wants things to be kept in the same place and wants the same schedule of activities in a prescribed sequence always.

V. SENSORY ASPECTS

31. Unusually sensitive to sensory stimuli

Persons with Autism may react strongly to certain sounds, lights, touch or tastes by closing their ears, eyes or refusing to eat food of certain consistency. They may actively avoid certain sensory stimuli.

Ring the bell or any sound making object to see how the child reacts. Check if he is finding the sound aversive or distressing or if he closes his ears. This is for auditory stimuli. Check how the child reacts to your touch. Observe how the child reacts to bright illumination or darkness.

32. Stare into space for long periods of time

Persons with Autism may stare at some distant spot or space for long periods of time. They seem to be unaware of surroundings when thus occupied.

33. Difficulty in tracking objects

Persons with Autism may have difficulty in tracking objects or persons in motion. They are unable to follow or fix their gaze on moving objects or persons for the required period of time.

Throw the ball or rattle and see if the child tracks it or not. Veer a car and move it around or spin the top and check if the child is looking at it if it twirls and moves away or not.

34. Has unusual vision

Persons with Autism may be able to observe tiny details which may not be apparent to others. Such individuals focus their attention on some insignificant part of an object that is generally ignored by others.

Check if the child is looking at some miniscule part of the object or toy or watching from the corners of his eyes or brings objects very close to his eyes and stares.

35. Insensitive to pain

Persons with Autism may hardly react to pain. They seem not to be distressed or cry when hurt. They seem to have high thresholds for pain.

36. Respond to objects unusually by smelling, touching or tasting

Individuals with Autism may go around exploring their environment by smelling, touching or tasting objects. Some of them may not show appropriate use of objects or toys.

Keep all the objects and observe if the child is smelling, touching or tasting the objects or if he is using the objects appropriately.

IV. COGNITIVE COMPONENT

37. Inconsistent attention and concentration

It is difficult to arouse the attention of individuals with autism. They do not concentrate, and if they do, then it may not be on relevant aspects of the object or event. As a result of this, they may be inconsistent in their response.

Ask the child to put the pegs on the board and sort the pieces and put them in their right places on the sorting board or fill the bottle with the beads or string the beads in a twine. Check if the child can attend and concentrate on the task.

38. Delayed response time

Persons with Autism do not respond to instructions promptly or respond after considerable delay. Quick response to instructions is hardly even to be expected.

IndiaCode

Show picture books/blocks and ask the child to show some object in a picture book. Observe if the child is responding after a delay or with repeated instructions. Ask for the name of things or objects or its uses or differences between objects depending on the age of the child.

39. Unusual memory

Persons with Autism may show memory for things which most of the individuals would have long forgotten. Some of them have exceptional ability to remember things from the distant past. Check if the child recognized people he met long time back or remembers the routines taken or places visited or dates or time or locations or names of things to an extraordinary extent.

40. Savant ability

Persons with Autism may have special or unusual ability in some areas like reading early, mathematical feats or artistic talent. Some of them may show superior ability, but in a restricted field of interest.

Proforma

Name of the child _____

Gender _____ Date _____

D. O. B._____Age_____Examiner _____

An ISO9001:2000
Institution Manovikas
Nagar Secunderabad -
500009

Direction:

Below are given 40 statements which are divided under six domains, Please tick (✓) mark the appropriate rating for each item of the scale b observing the child and by interviewing the parents in order to assess Autism.

IndiaCode

Items		Rarely Upto 20% Score 1	Sometimes 21 -40% Score 2	Frequently 41-60% Score 3	Mostly 61-80% Score 4	Always 81-100 % Score 5
I. SOCIAL RELATIONSHIP AND RECIPROCITY						
1.	Has poor eye contact					
2.	Lacks social smile					
3.	Remains aloof					
4.	Does not reach out of others					
5.	Unable to relate to people					
6.	Unable to respond to social/environmental cues					
7.	Engages in solitary and repetitive play activities					
8.	Unable to take turns in social interaction					
9.	Does not maintain peer relationships					

II. EMOTIONAL RESPONSIVENESS						
10.	Shows inappropriate emotional response					
11.	Shows exaggerated emotions					
12.	Engages in self-stimulating emotions					
13.	Lacks fear of danger					
14.	Exited or agitated for no apparent reason					
III. SPEECH - LANGUAGE AND COMMUNICATION						
15.	Acquired speech and lost it					
16.	Has difficulty in using non-verbal language or gestures to communicate					
17.	Engages in stereotyped and repetitive use of language					
18.	Engages in echolalic speech					
19.	Products infantile squeals/unusual noises					
20.	Unable to initiate or sustain conversation with others					
21.	Uses jargon or meaningless					
22.	Uses pronoun reversals					
23.	Unable to grasp the pragmatics or communication					
IV. BEHAVIOURS PATTERNS						
24.	Engages in stereotyped and repetitive motor mechanisms					
25.	Shows attachment to inanimate objects					
26.	Show hyperactivity/restlessness					
27.	Exhibits aggressive behaviour					
28.	Throws temper tantrums					
29.	Engages in self-injurious behaviour					
30.	Insists on sameness					
V. SENSORY ASPECTS						
31.	Unusually sensitive to sensory stimuli					
32.	Stares into space for long periods of time					
33.	Has difficulty in tracking objects					
34.	Has unusual vision					
35.	Insensitive to pain					

IndiaCode

36.	Responds to objects/people unusually by smelling, touching or tasting					
VI. COGNITIVE COMPONENT						
37.	Inconsistent attention and concentration					
38.	Shows delay in responding					
39.	Has unusual memory of some kind					
40.	Has savant ability					

Annexure C

CERTIFICATE OF DISABILITY OF PERSONS WITH AUTISM

GOVERNMENT OF _____

(Name and address of the State/authorized Autism certification Medical Board issuing the certificate)

Recent attested
photograph affixed
here

IndiaCode

This is to certify that Shri/Smt/Kum._____ Son/Daughter of_____ of village/Town/City (complete address of the applicant) with particulars given below:-

a) date of birth
b) sex
c) Signature and thumb impression

has been examined by the State/authorised Autism Certification Medical Board and he/she is found to be categorized as persons with no autism/mild Autism/moderate autism/severe autism. His/her percentage of disability is_____.

Signature and seal
of Chairperson of
State/authorised Autism Certification Medical Board

Date

Place

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.